Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 170
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-रविवार,19 अक्टूबर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

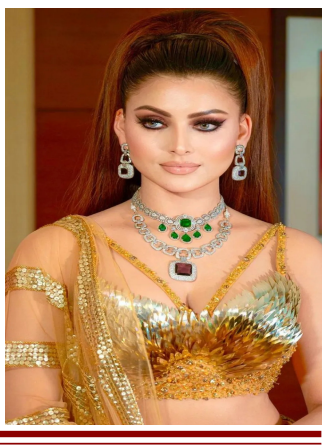

3 अखिलेश यादव ने 8 लोगों को दिलाई पार्टी की सदस्यता 4 फिल्मी दिवाली में प्रतीकों के जरिये बहुत कुछ कहने 5 उर्वशी रौतेला ने फिर थपथपाई अपनी पीठ

जहां भी डिफेंस लैंड की जरूरत पड़ेगी... वहां यूपी दिल खोलकर जमीन देगा: सीएम

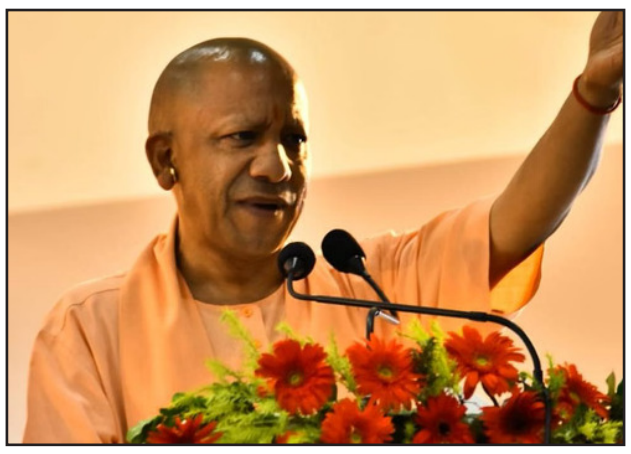

सीएम योगी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह मिसाइल भारत की रक्षा आवश्यकताओं में आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

लखनऊ । लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई से तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को शनिवार को हरी झंडी दिखाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, ये हमारे लिए खुशी का क्षण है। मेरे लिए खासतौर से। क्योंकि ये स्वदेशी तकनीक पर आधारित मिसाइल है। हमको प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया के संकल्प को पूरा करने और रक्षा मंत्री की उपस्थिति में स्वदेशी तकनीक पर आधारित ब्रह्मोस मिसाइल के पहले बैच को हरी झंडी दिखाने का मौका मिला। यह मिसाइल भारत की रक्षा आवश्यकताओं में आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसका अर्थ है कि ब्रह्मोस जैसी मिसाइलों के माध्यम से, भारत अब न केवल अपनी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि दुनिया भर के अपने मित्र देशों की सुरक्षा को भी पूरा करने में सक्षम है। जहां भी डिफेंस लैंड को जरूरत पड़ेगी, वहां यूपी दिल खोलकर जमीन देगा। यही धरती माता चाहती हैं। जमीन का सदुपयोग होना चाहिए। मैंने डीआरडीओ को कहा है कि आपको जितनी भी जमीन चाहिए, यूपी में मिलेगी। हमारी कैबिनेट ने फ्री में जमीन मुहैया कराने का फैसला किया था। अब देखिए यूपी की धरती सोना बन रही है। आज का दिन उत्तर प्रदेश की जनता के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज का दिन उत्तर प्रदेश की जनता के लिए महत्वपूर्ण दिन है। लखनऊ डिफेंस सेक्टर में अहम भूमिका निभा रहा है। मैंने पांच महीने पहले ब्रह्मोस यूनिट का उद्घाटन किया था। आज उसकी पहली खेप रवाना कर दी गई। यह आम बात नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारी आदत बन चुकी है। दुनिया ने भारत की ताकत को माना है। देश को ये विश्वास है कि अब हम बहुत मजबूत हो चुके हैं। मैं बता दूं कि जब भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, अब आगे आप लोग समझदार है।

धनतेरस पर खुला...54 साल से बंद बांके बिहारी का खजाना

मथुरा। बांके बिहारी मंदिर का खजाना आज यानी धनतेरस पर खोल दिया गया है। इस दौरान यहां पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रहा है। कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच इस पूरी प्रक्रिया को प्रशासन ने अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि बांके बिहारी मंदिर का यह कमरा करीब 54 साल से बंद था, इस कमरे को मंदिर का खजाना (तोषखाना) कहा जाता है। खजाने यानी तोषखाने का ताला खुलने के बाद कुछ लोगों ने अंदर प्रवेश किया। मिली जानकारी के मुताबिक कमरे में पानी भरा हुआ था, जिससे वहां कीचड़ जैसी स्थित है, हालांकि इस दौरान यहां पर शुरूआती जांच में कोई कीमती वस्तु के नहीं होने का दावा किया जा रहा है। कमरे की साफ-सफाई का दौर जारी है। इस दौरान प्रशासन वीडियोग्राफी भी करा रहा है। कुछ समय बाद ही पूरी स्थिति साफ हो पायेगी। आखिरी बार साल 1971 में इस तोषखाने को खोला गया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी के सख्त निर्देशों पर यह ऐतिहासिक कदम उठाया जा रहा है, जिसमें मंदिर की संपत्ति का ब्योरा तैयार करने का मुख्य उद्देश्य है। सिविल जज, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य, वन विभाग के अधिकारी और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर फिलहाल उपस्थित हैं। पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तोषखाने की वीडियोग्राफी कराई जा रही है, जिससे की किसी भी तरह के कोई विवाद की गुंजाइश न रहे।

इंदौर में तीन मंजिला घर में भीषण आग से 11 वर्षीय लड़के की मौत

इंदौर। थाना प्रभारी ने बताया,बचाव दल ने घर की दूसरी मंजिल पर रहने वाले एक अन्य परिवार के चार सदस्यों को पेड़ पर चढ़कर सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि अग्निकांड की विस्तृत जांच की जा रही है। इंदौर में तीन मंजिला घर में शुक्रवार देर रात भीषण आग लगने के बाद धुएं के कारण दम घुटने से 11 वर्षीय लड़के की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के पांच सदस्य बुरी तरह बीमार हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जूनी इंदौर पुलिस थाने के प्रभारी अनिल गुप्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कबाड़ का कारोबार करने वाले एक व्यक्ति के तीन मंजिला घर में देर रात करीब दो बजकर 15 मिनट पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। उन्होंने बताया कि घर के आगे के हिस्से में कबाड़ रखा जाता है, जबकि पिछले हिस्से में लोग रहते हैं। गुप्ता ने बताया कि कबाड़ में फोम और स्पंज शामिल होने के कारण लपटों ने तेजी से पूरे घर को अपनी जद में ले लिया। थाना प्रभारी ने बताया, इस बेहद संकरे घर में आने-जाने के लिए एक ही दरवाजा है और धुआं निकलने का रास्ता नहीं है।

विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी भरेंगे हुंकार, गया जी में करेंगे चुनावी सभा को संबोधित

गया जी : पीएम मोदी के गया आगमन को लेकर भाजपा और एनडीए कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि प्रधानमंत्री की सभा से मगध प्रमंडल की 26 विधानसभा सीटों पर सीधा असर पड़ेगा।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही राज्य का दौरा करेंगे। इस दौरान वह अपनी जनसभाओं के माध्यम से मतदाताओं को साधने के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले चरण के प्रचार अभियान के तहत 23 अक्टूबर को बिहार के विभिन्न जिलों में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसी क्रम में वह गया (गयाजी) में भी एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी के गया आगमन को लेकर भाजपा और एनडीए कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि प्रधानमंत्री की सभा से मगध प्रमंडल की 26 विधानसभा सीटों पर सीधा असर पड़ेगा और सभी सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों को लाभ मिलेगा। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। पीएम मोदी की रैली को लेकर गया जिला प्रशासन ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। सभा स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं और अधिकारियों की कई टीमें स्थल का निरीक्षण कर रही हैं।

शाह की बिहार के लोगों से अपील

नया मुखौटा पहने जंगल राजश पर भरोसा न करें: शाह

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बिहार की जनता को ह्नए मुखौटा पहने जंगलराजह्व पर भरोसा नहीं करना चाहिए और उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में सत्ता बरकरार रखेगा। शाह ने पटना में एबीपी न्यूज और हिंदुस्तान समूह द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित बिहार समागम सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) दरअसल जंगलराज का नया रूपश्श है, जबकि राजग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को स्थिरता और प्रगति की राह पर आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, मैं बिहार की जनता का आशीर्वाद लेने आया हूं। पिछले 20 वर्षों में हमने इस राज्य को नरक से बाहर निकाला है। अब समय है कि इस मजबूत नींव पर एक मजबूत संरचना तैयार की जाए। मैं जनता से अपील करता हूं कि वे जंगलराज लाने वालों पर भरोसा न करें, चाहे वे किसी नए चेहरे या गठबंधन के रूप में क्यों न आएं। गृह मंत्री ने कहा, मैं लोगों से नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे राजग को एक और मौका देने का आग्रह करता हूं। इससे हमें वर्षों से चली आ रही प्रगति को जारी रखने में मदद मिलेगी, जिसमें केंद्र में (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी और राज्य में (मुख्यमंत्री) नीतीश हैं।श्श भाजपा नेता ने पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की एक साल पुरानी जन सुराज पार्टी पर टिप्पणी करने से भी इनकार कर दिया, जिसके बारे में कई का मानना है कि यह एक छुपा रुस्तम साबित हो सकती है।

असम के राज्यपाल, शाह, नड्डा और मुख्यमंत्री ने काटी बिहू की शुभकामनाएं दीं

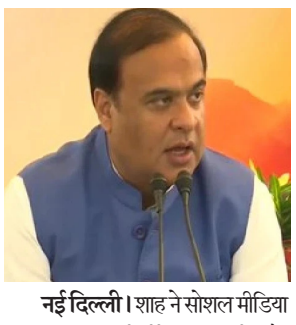

नई दिल्ली। शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा,असम के मेरे सभी बहनों और भाइयों के कल्याण व समृद्धि के लिए प्रार्थना की। यह त्योहार सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लाए। असम में शनिवार को काटी बिहू के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। काटी बिहू कृषि से जुड़ा पर्व है। राज्यपाल आचार्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, काटी बिहू के अवसर पर मैं पवित्र तुलसी के समक्ष असम के लोगों के कल्याण की प्रार्थना करता हूं। शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा,असम के मेरे सभी बहनों और भाइयों के कल्याण व समृद्धि के लिए प्रार्थना की।यह त्योहार सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लाए। नड्डा ने भी काटी बिहू के अवसर पर असम के लोगों को शुभकामनाएं दीं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, असम के सभी बहनों और भाइयों को काटी बिहू के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई। कामना करता हूं कि यह त्योहार हर घर को नयी आशा व स्मृद्धि प्रदान करे। शर्मा ने एक्स पर लिखा, आज शाम, असम के लोग मां तुलसी के सामने दीया जलाकर आने वाले दिनों में भरपूर फसल व सभी की सुरक्षा और समृद्धि की प्रार्थना करेंगे। यह हमारे किसानों के योगदान और प्रकृति के साथ हमारे घनिष्ठ संबंधों को याद करने का एक पवित्र अवसर है।

गोरखपुर स्टेशन परिसर में सफाई करते हुए सफाई मित्र

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 18 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया एवं कार्यालयों, प्रतीक्षालयों, स्टेशन परिसरों की सफाई की गई। इस दौरान स्वच्छता संबंधी नारे, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम जन जागरूकता रैली निकाली गई। 18 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने संविदा कर्मचारियों एवं रेलवे कर्मचारियों के साथ जन जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान स्टेशनों, कॉलोनियों, अस्पतालों, डिपो, पटरियों एवं अन्य क्षेत्रों में सफाई की गई। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा स्टेशन पर कार्यरत संविदा कर्मचारियों एवं रेल कर्मचारियों के साथ स्वच्छता संबंधी नारे, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जन जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्लेटफार्मो, प्रतीक्षालयों की सफाई की गई। कूड़ेदानों को नियमित रूप से खाली कर सफाई की गई एवं ट्रेक के दोनों किनारों की सफाई की गई। स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए नाली के किनारों पर चूना और कीटाणुनाशक पाउडर डाला गया।

एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 12 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग पर 04656/04655 लुधियाना-सुपौल-लुधियाना अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन लुधियाना से 22, 23 एवं 24 अक्टूबर,2025 को तथा सुपौल से 23, 24 एवं 25 अक्टूबर,2025 को 03 फेरों हेतु निम्नवत किया जायेगा। 04656 लुधियाना-सुपौल अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 22, 23 एवं 24 अक्टूबर,2025 को लुधियाना से 11.30 बजे प्रस्थान कर ढंडारी कलां से 12.35 बजे, अम्बाला कैण्ट से 14.20 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 14.55 बजे, सहारनपुर से 15.40 बजे, मुरादाबाद से 19.40 बजे, बरेली से 21.00 बजे, शाहजहाँपुर से 22.35 बजे, दूसरे दिन सीतापुर से 01.20 बजे, गोण्डा से 04.20 बजे, गोरखपुर से 07.20 बजे, छपरा से 10.40 बजे, सोनपुर से 12.15 बजे, हाजीपुर से 12.30 बजे, शाहपुर पटोरी से 13.25 बजे, बछवारा से 14.20 बजे, बरौनी से 15.30 बजे, बेगूसराय से 16.00 बजे, खगड़िया से 17.30 बजे, मानसी से 18.20 बजे तथा सहरसा से 19.40 बजे छूटकर सुपौल 21.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 04655 सुपौल-लुधियाना अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 23, 24 एवं 25 अक्टूबर,2025 को सुपौल से 23.00 बजे प्रस्थान कर सहरसा से 23.55 बजे, दूसरे दिन मानसी से 01.12 बजे, खगड़िया से 01.24 बजे, बेगूसराय से 02.00 बजे, बरौनी से 03.05 बजे, बछवारा से 03.27 बजे, शाहपुर पटोरी से 04.00 बजे, हाजीपुर से 05.05 बजे, सोनपुर से 05.17 बजे, छपरा से 07.10 बजे, गोरखपुर से 10.50 बजे, गोण्डा से 13.35 बजे, सीतापुर से 17.40 बजे, शाहजहाँपुर से 19.45 बजे, बरेली से 20.50 बजे, मुरादाबाद से 22.45 बजे, तीसरे दिन सहारनपुर से 03.10 बजे, यमुना नगर जगाधरी से 03.45 बजे, अम्बाला कैण्ट से 05.00 बजे तथा ढंडारी कलां से 07.05 बजे छूटकर लुधियाना 07.50 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में सामान्य द्वितीय श्रेणी के 10 एवं एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 12 कोच लगाये जायेंगे।

ओमप्रकाश राजभर दूसरे बड़े पलटू राम

बलिया। सपा सांसद रमाशंकर राजभर ने सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर पर जमकर निशाना साधा। कहा कि ओमप्रकाश राजभर अब दूसरे पलटू राम बन चुके हैं। सपा सांसद रमाशंकर राजभर विद्यार्थी ने बांसडीह में पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश सरकार, प्रशासनिक अधिकारियों और सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ओमप्रकाश राजभर अब दूसरे पलटू राम बन चुके हैं, जो हर सुबह और शाम अपना पक्ष बदलते रहते हैं। सांसद ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार जनता की चिंता से पूरी तरह बेखबर है। प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार पर कहा कि अधिकारी बेलगाम हो चुके हैं। बिना पैसे के थाने और तहसील में कोई काम नहीं होता। जनता के सरोकारों से सरकार और प्रशासन दोनों ने मुंह मोड़ लिया है। सरयू नदी कटान का मुद्दा उठाते हुए सांसद ने कहा कि किसानों की जमीन नदी में बह गई, परंतु सरकार ने उन्हें मुआवजा या किसान सम्मान निधि नहीं दी। उन्होंने कहा जब किसान को राहत नहीं मिल रही तो सरकार को उससे ऋण वसूलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि वे यह मुद्दा संसद और प्रमुख सचिव दोनों के समक्ष रख चुके हैं। सांसद रमाशंकर राजभर ने मीडिया पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की। कहा अखबारों के लोग यदि सरकार के खिलाफ लिखते हैं तो उनकी हत्या तक कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ भी एफआईआर दर्ज होती है, लेकिन वे जनता के सवालों से पीछे नहीं हटेंगे। सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर पर तीखा वार करते हुए सांसद ने कहा राजभर रात में अखिलेश यादव से माफी मांगते हैं और दिन में भाजपा नेताओं के साथ मंच साझा करते हैं। ऐसे लोग विचारधारा नहीं सत्ता की सीढ़ी खोजते हैं। भाजपा ने अब ओमप्रकाश राजभर की हद तय कर दी है, और उन्हें अब सिर्फ दिखावे भर के लिए रखा गया है। कुछ नेता परजीवी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा जो अपने बूते चुनाव नहीं जीत सकते वे दूसरों के कंधों पर चढ़कर सत्ता की तलाश कर रहे हैं।

दीपावली से पहले गाजीपुर में चली तबादला एक्सप्रेस

गाजीपुर। गाजीपुर जिले में पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया है। एसपी ने 71 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इनमें 11 उपनिरीक्षक, 31 मुख्य आरक्षी और 29 आरक्षी शामिल हैं। गाजीपुर जिले में कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में व्यापक स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। एसपी डॉ. ईरज राजा ने शुक्रवार को कुल 71 पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया है, जिनमें 11 उपनिरीक्षक, 31 मुख्य आरक्षी और 29 आरक्षी शामिल हैं। यह आदेश 13 सितंबर 2025 को जारी हुआ था, जिसे अब लागू करते हुए सभी को नई तैनाती दी गई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, यह कदम पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए उठाया गया है। उपनिरीक्षक स्तर पर 11 का तबादला पुलिस लाइन से विभिन्न थानों और चौकियों पर 11 उपनिरीक्षकों को नई जिम्मेदारी दी गई है। अरविंद कुमार को प्रभारी चौकी शहनिंदा, थाना मुहम्मदाबाद, जितेंद्र नारायण यादव को बाना जमानिया, सूर्यकांत यादव को बाना सुहवल, अखिलेश यादव को थाना करण्डा, कमलेश गुप्ता को थाना करीमुद्दीनपुर, जुल्फिकार अली को बाना मरदह, शैलेंद्र कुमार पांडेय को वरिष्ठ उपनिरीक्षक के रूप में थाना शादियाबाद भेजा गया है। वहीं, आनंद गुप्ता उपाध्याय का तबादला निरस्त कर उन्हें हंसराजपुर चौकी प्रभारी पद पर यथावत रखा गया है। मुख्य आरक्षी स्तर पर 31 तबादले मुख्य आरक्षियों में भी व्यापक फेरबदल किया गया है। चंद्रजीत पासी, मनोज कुमार यादव और भीमसेन सिंह को थाना करण्डा निवेदिता यादव (महिला आरक्षी) को बाना नंदगंज राजीव कुमार, मोहसिन कमाल अंसारी और सुरेश कुमार तिवारी को क्रमशः शादियाबाद, कासिमाबाद और नोनहरा क्षेत्र में तैनाती मिली। कुल मिलाकर, मुख्य आरक्षी स्तर पर लगभग 31 कर्मियों की नई तैनाती की गई है। आरक्षी स्तर पर 29 कर्मियों का स्थानांतरण आरक्षी स्तर पर भी 29 कर्मियों की तैनाती बदली गई है। राघवेन्द्र मिश्र, राजेश कुमार, शुभम कुमार, अराधना देवी और दीपा सिंह (महिला आरक्षी) को थाना करण्डा मनीष कुमार और मनोज गुप्ता को जंगीपुर, आकांक्षा (महिला आरक्षी) को नन्दगंज से जंगीपुर, विपिन कुमार, शिव गोविन्द और सोनू सरोज को करीमुद्दीनपुर, अंजनी कुमार द्विवेदी को अभियोजन कार्यालय, श्रवण कुमार को पैरोकार, थाना सादात नियुक्त किया गया है। कुछ चौकियों में कोई बदलाव नहीं एसपी ने कुछ चौकियों के प्रभारी पदों को यथावत रखा है। इन अधिकारियों के कार्य और क्षेत्रीय नियंत्रण को संतोषजनक माना गया है। एसपी बोले, व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने की पहल एसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया कि स्थानांतरण की यह प्रक्रिया सामान्य प्रशासनिक कदम है। इसका उद्देश्य जिले की पुलिस व्यवस्था को और अधिक कुशल, अनुशासित और जवाबदेह बनाना है। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि नव-तैनात कर्मियों को तत्काल कार्यभार ग्रहण कराया जाए।

हाईवे पर खड़े ट्रक में घुसी कार, मामा-भांजे की मौत

कानपुर। सचेंडी थानाक्षेत्र में शुक्रवार देर रात एनएच-दो हाईवे पर खड़े ट्रक में कार घुसने से मामा और भांजे की मौत हो गई। वहीं, तीसरा साथी गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एनएच-दो हाईवे पर खड़े ट्रक में तेज रफ्तार कार पीछे से घुस गई। हादसे में कार सवार मामाझ भांजे और एक अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को हैलट भेजा। वहां डॉक्टरों ने मामा-भांजे को मृत घोषित कर दिया। त्योहार पर एक साथ दो मौतों से परिवार में कोहराम मच गया। हादसा इतना जबरदस्त था, कि कार के बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जरौली फेस-दो निवासी अनुराग मिश्रा उर्फ गोपाल (28) सोलर पैनल लगाने का ठेकेदार था। पिता रामकिशोर ने बताया कि कानपुर देहात के गजनेर थानाक्षेत्र के मोहाना गांव निवासी ओमदीप मिश्रा (30), अनुराग का भांजा था। ओमदीप बिजली विभाग में संविदा पर कंप्यूटर ऑपरेटर थे। ओमदीप की पत्नी से हो गई कुछ कहासुनी ओमदीप के चचेरे भाई कुलदीप मिश्रा ने बताया कि ओमदीप की शादी 13 फरवरी 2020 को अंकिता के साथ हुई थी। दोनों के दो साल का बेटा दिव्यांश है। बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे ओमवीर काम पर जाने की बात कह कर निकला था। इसके बाद देर रात तक घर नहीं आया। वहीं, अनुराग के भाई अंकित बताया कि शुक्रवार देर शाम ओमदीप घर आया और पत्नी से कुछ कहासुनी हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा इस पर अनुराग भांजे ओमदीप को घर छोड़ने जाने के लिए जरौली निवासी शुभम द्विवेदी की कार से घर से निकला था। देर रात करीब एक बजे तीनों सचेंडी एनएच-दो हाइवे के पास पहुंचे ही थे। तभी हाईवे किनारे खड़े ट्रक में पीछे से उनकी कार घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ओमदीप और अनुराग की जान चली गई। वहीं, शुभम की हालत नाजुक है। उसके परिवार वाले हैलट से कहीं निजी अस्पताल ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कचहरी में छठवें तल से कूदी महिला की मौत, कोर्ट में स्टेनो थी

कानपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में कचहरी में छठवें तल से कूदी महिला की उर्सला अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस कमिश्नर ने मौके का निरीक्षण किया और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित किए हैं। कानपुर के कचहरी परिसर में एक महिला ने छठवें तल से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया, जिससे परिसर में हड़कंप मच गया। महिला को गंभीर हालत में आनन फानन उर्सला अस्पताल भेजा गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर स्वयं जांच के लिए मौके पर पहुंचे। सीपी द्वारा जांच पड़ताल की गई है। वहीं, फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए हैं। मृतका की शिनाख्त नेहा के रूप में हुई है, जो सिविल कोर्ट सीनियर डिवीजन की मुख्य अदालत न्यायाधीश अमर प्रताप चौधरी की कोर्ट में स्टेनो है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एनएचएम कर्मचारियों के वेतन मिलने का रास्ता साफ

बस्ती। मजदूर संघ से संबद्ध संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ ने बताया कि पोर्टल पूरी तरह से सुचारु रूप से कार्य कर रहा है। इससे वेतन मिलने का रास्ता साफ हो गया है। अधिकारियों से हुई वार्ता में यह जानकारी दी गई है कि दोपहर 12 बजे तक बिल मांग लिए गए हैं। बिलों को स्वीकृत कर सेंट्रल ट्रेजरी को भेजने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे संविदा कर्मचारियों के खातों में शीघ्र वेतन पहुंच सके। जिला मंत्री राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि मजदूर संघ हमेशा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है। जिलाध्यक्ष सुधाकर पांडेय ने कहा संगठन लगातार संविदा कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहा है। जिला महामंत्री जन्मेजय उपाध्याय ने कहा कि बिलों को सेंट्रल ट्रेजरी भेजा जाए।

एडी हेल्थ का स्थानांतरण, हुए कार्यमुक्त

बस्ती। अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंडल बस्ती डॉ. रामानंद का स्थानांतरण इसी पद पर सहारनपुर के लिए हुआ है। वह शुक्रवार को स्वतः कार्यमुक्त हो गए। बस्ती में एडी हेल्थ के पद पर सोनभद्र के सीएमओ डॉ. अश्वनी कुमार की तैनाती हुई है। यह आदेश विशेष सचिव आर्यका अखौरी की ओर से जारी किया गया है।

इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला दिलाने का झांसा देकर की थी 10 लाख की ठगी

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में साइबर क्राइम थाने को बड़ी कामयाबी मिली है। यहां 10 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया। साथ ही पीड़ित को खाते में रुपये वापस कराए गए। पुणे के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला दिलाने का झांसा देकर 10 लाख रुपये ठगने वाले जालसाज को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। वह इंस्टाग्राम और फेसबुक पर प्रचार के माध्यम से लोगों का अपना शिकार बनाता था। पुलिस ने उसके पास से ठगी के दस लाख रुपये, कई कॉलेजों के एडमिशन फॉर्म, बैंकों की चेकबुक व पासबुक भी बरामद किए हैं। पुलिस उसके अन्य साथियों की भी तलाश कर रही है। म्योरपुर थाना क्षेत्र के देवरी गांव निवासी ज्ञान प्रकाश ने गत छह अक्तूबर को साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। बताया कि वह अपने बेटे का इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला कराने चाहते थे। इसी दौरान उनकी नजर सोशल मीडिया में प्रसारित एक विज्ञापन पर पड़ी, जिसमें प्रतिष्ठित कॉलेज में मैनेजमेंट व एनआरआई कोटा से सीधे दाखिले का दावा किया गया था। विज्ञापन पर दिए नंबरों पर संपर्क किया तो उसे एडमिशन फॉर्म सहित अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराए गए। दाखिले के नाम पर दो किश्तों में कुल 10 लाख रुपये लिए गए और इसके बाद से आरोपी का नंबर बंद हो गया। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एसपी अभिषेक वर्मा ने मामले के खुलासे के लिए साइबर थाना प्रभारी सदानंद राय के नेतृत्व में टीम गठित की। टीम ने तकनीकी विश्लेषण और डिजिटल ट्रेसिंग के जरिए पुण के कोथरुड से रवि मोहन सिंह राठौरा को दबोचा। वह मूल रूप से राजस्थान के कोटा विज्ञान नगर का रहने वाला है। पुलिस लाइन सभागार में एसपी अभिषेक वर्मा ने मीडिया को बताया कि पीड़ित के खाते में धनराशि वापस कराई गई है। जालसाज सोशल मीडिया में विज्ञापन के माध्यम से लोगों को अपने झांसे में लेता था। उनसे रुपये ऐंठने के बाद नंबर बंद कर गायब हो जाता था। उसके पास से कई कॉलेजों के फर्जी एडमिशन फॉर्म, बैंक पासबुक, चेकबुक सहित अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। बताया कि जालसाज से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर उसके कुछ अन्य साथियों के नाम सामने आए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। जांच में स्पष्ट होगा कि अब तक कितने लोगों को उन्होंने शिकार बनाया है।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे का सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ बड़ा एक्शन

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन ने सोशल मीडिया पर रेलवे से जुड़े भ्रामक वीडियो साझा करने वाले सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ अब सख्त कदम उठाने जा रही है। इस त्योहार के सीजन में कुछ सोशल मीडिया हैंडल्स पर पुरानी या भ्रामक वीडियो वायरल कर यात्रियों में भ्रम और असंतोष फैलाया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने कहा कि अब तक 20 से ज्यादा ऐसे सोशल मीडिया हैंडल्स की पहचान कर एफआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रेलवे द्वारा सोशल मीडिया पर 24 घंटे मॉनिटरिंग कर ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। रेलवे ने सभी सोशल मीडिया यूजर से अपील की है कि बिना तथ्यों की जांच किए स्टेशनों पर भीड़भाड़ एवं अन्य वीडियो को साझा करने से बचें। रेलवे का यात्रियों से अनुरोध है कि केवल आधिकारिक रेलवे नोटिफिकेशन और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स , फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब @फ्रंट्रल्लकर्ल्ल पर ही भरोसा करें।

रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया मारवाड़ जंक्शन ब्रॉड गेज रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को दी मंजूरी

गोरखपुरः रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया से मारवाड़ जंक्शन तक 72 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉड गेज रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे (FLS) को मंजूरी दे दी है। स्वीकृति पश्चात यह नई रेल लाइन परियोजना जोधपुर और बीकानेर से होकर चित्तौड़गढ़ और उदयपुर तक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे यात्रा का समय और दूरी दोनों कम होंगे। यह नई ब्रॉड गेज रेल लिंक राजसमंद, उदयपुर और पाली जिलों में यात्रा समय को काफी कम करेगी और यात्री व माल ट्रेनों की क्षमता को बेहतर बनाएगी, इससे इन क्षेत्रों के उन हिस्सों तक भी आधुनिक रेल सुविधाएं पहुँचेंगी जहाँ अब तक यह सुविधाएं सीमित थीं। इसके माध्यम से, देवगढ़ मदारिया के किसानों की फसलें, जैसे फल और सब्जियाँ, मारवाड़ क्षेत्र के नए बाजारों तक पहुँच सकेंगी। यह लाइन मारवाड़ क्षेत्र में तेज ट्रेनों के संचालन का मार्ग सुनिश्चित करेगी, जिससे पहले की धीमी और संकरी लाइनें तेज और अधिक सुगम संपर्क का मार्ग बन जाएँगी। ये विकास कार्य दिल्लीझ मुंबई औद्योगिक गलियारे (DMIC) के रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हैं और विशेष रूप से जोधपुर पाली औद्योगिक क्षेत्र के लिए लाभकारी साबित होंगे, जो पश्चिमी भारत में एक उभरता हुआ निर्माण और लॉजिस्टिक्स हब है। बेहतर रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर न केवल आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगी, बल्कि निवेश आकर्षित करेगी, व्यापार का विस्तार करेगी और औद्योगिक केंद्रों को देश भर के बंदरगाहों और बाजारों से अधिक कुशलता से जोड़ेगी। पर्यटन की दृष्टि से भी इसका बड़ा लाभ होगा। इस मार्ग से कुंभलगढ़ किला, चारभुजा मंदिर और द्वारकाधीश मंदिर (कंकरोली) जैसे प्रसिद्ध धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों तक रेल के माध्यम से पहुँचना और आसान हो जाएगा। इससे क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और स्थानीय व्यापार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, यह क्षेत्र संगमरमर, ग्रेनाइट और सीमेंट उद्योगों के लिए भी प्रसिद्ध है, जिन्हें भारतीय रेल के मिशन 3000 एमटी के तहत माल ढुलाई क्षमता के बढ़ने से बड़ा लाभ मिलेगा। इससे कच्चे माल और पूर्ण रूप से तैयार उत्पादों की ढुलाई तेज, अधिक विश्वसनीय और किफायती हो सकेगी। जिससे औद्योगिक विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। मंजूरी मिलने के बाद इस परियोजना के साथ-साथ , ?969 करोड़ की लागत से चल रही 82 किलोमीटर लंबी नाथद्वाराझदेवगढ़ मदारिया ब्रॉडगेज परिवर्तन परियोजना भी क्षेत्र में महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक लाभ लेकर आएगी। यह परियोजना भील, गरासिया और सहारिया जनजाति समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों तक पहुंच को बेहतर बनाकर उनके जीवन स्तर में सुधार करेगी।

एनएचएम कर्मचारियों के वेतन मिलने का रास्ता साफ

बस्ती। मजदूर संघ से संबद्ध संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ ने बताया कि पोर्टल पूरी तरह से सुचारु रूप से कार्य कर रहा है। इससे वेतन मिलने का रास्ता साफ हो गया है। अधिकारियों से हुई वार्ता में यह जानकारी दी गई है कि दोपहर 12 बजे तक बिल मांग लिए गए हैं। बिलों को स्वीकृत कर सेंट्रल ट्रेजरी को भेजने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे संविदा कर्मचारियों के खातों में शीघ्र वेतन पहुंच सके। जिला मंत्री राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि मजदूर संघ हमेशा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है। जिलाध्यक्ष सुधाकर पांडेय ने कहा संगठन लगातार संविदा कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहा है। जिला महामंत्री जन्मेजय उपाध्याय ने कहा कि बिलों को सेंट्रल ट्रेजरी भेजा जाए। मंडल संयोजक संजय पांडेय ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान कराना है। जिला संयोजक अनीता चौधरी ने कहा कि महिला कर्मियों सहित सभी संविदा कर्मचारियों ने लंबे समय से वेतन की प्रतीक्षा की है।

एडी हेल्थ का स्थानांतरण, हुए कार्यमुक्त

बस्ती। अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंडल बस्ती डॉ. रामानंद का स्थानांतरण इसी पद पर सहारनपुर के लिए हुआ है। वह शुक्रवार को स्वतः कार्यमुक्त हो गए। बस्ती में एडी हेल्थ के पद पर सोनभद्र के सीएमओ डॉ. अश्वनी कुमार की तैनाती हुई है। यह आदेश विशेष सचिव आर्यका अखौरी की ओर से जारी किया गया है।

किसानों के लिए खाद-बीज पर विशेष ध्यान दें अधिकारी

बस्ती। विकास भवन सभागार में सिंचाई बंधु की बैठक उपाध्यक्ष गजेंद्र मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कहा कि जनपद में किसानों के लिए खाद, उन्नतिशील बीज, कृषि यंत्र तथा सिंचाई के लिए समुचित साधनों यथा नलकूप व नहरों के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं में पारदर्शिता बरती जाए। पात्र किसानों को निशुल्क बोरिंग, अनुदानित बीज, पोर्टल पर पंजीकरण के माध्यम से चयनित कर लाभान्वित किया जाए। इस दौरान कप्तानगंज विधायक प्रतिनिधि गुलाब चंद्र सोनकर ने कहा कि किसानों के बकाया गन्ना मूल्य का मुद्दा उठाया। इस उपाध्यक्ष ने गन्ना विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के साथ गन्ना मिल से जुड़े कर्मचारियों के भुगतान की भी त्वरित कार्रवाई की जाए। प्रतिभागी ने बताया कि किसानों के गन्ना मूल्य का 16 जनवरी 2018 तक का भुगतान कर दिया गया है। विधायक प्रतिनिधि हरैया सरोज मिश्रा ने उद्यान निरीक्षक भानु प्रताप त्रिपाठी से औद्यानिक व बागवानी के लिए प्राप्त लक्ष्य की जानकारी मांगी। बताया गया कि उन्नतिशील आलू के बीज, कपूरी, सिंदूरी तथा कपूरी बहार रुपये 800 प्रति क्विंटल अनुदान पर किसानों को 27 अक्तूबर तक उपलब्ध कराया जाएगा।

गिल ने रोहित-कोहली के साथ रिश्ते पर रखी राय

पर्थ। कोहली और रोहित पहली बार गिल की कप्तानी में खेलेंगे। ये दोनों खिलाड़ी इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से पहली बार भारतीय जर्सी में नजर आएंगे। गिल के लिए इस सीरीज में अनोखी चुनौती होगी, वह ऐसे दो लोगों के साथ खेलेंगे जिनके नेतृत्व में कभी मैदान पर उतरा करते थे। भारतीय वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टीम की कमान मिलने के बाद रोहित शर्मा के साथ अपने रिश्ते पर राय रखी है। गिल ने रोहित के साथ किसी विवाद को खारिज किया है और उनका कहना है कि रोहित और विराट कोहली के साथ उनके रिश्ते हमेशा की तरह मजबूत हैं। भारतीय टीम की पहली बार गिल की कप्तानी में वनडे सीरीज खेलने उतरेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार से तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरूआत होगी। पहली बार गिल की कप्तानी में खेलेंगे रोहित-कोहली कोहली और रोहित पहली बार गिल की कप्तानी में खेलेंगे।

अखिलेश यादव ने 8 लोगों को दिलाई पार्टी की सदस्यता, कहा पीडीए मजबूत बन रही

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रेस वार्ता में बताया कि उनके नेतृत्व में आज 8 लोग समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। इनमें देवेंद्र कुशवाहा, अमर यादव, राजन सिंह और नदीम असरफ जॉयसी प्रमुख रूप से शामिल हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि लगातार लोग समाजवादी पार्टी से जुड़ रहे हैं और बाबा साहब की नीतियों को जनता पसंद कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ह्लअगर हम पत्रकारों से नहीं मिल पाते हैं तो हमें खराब लगता है। उन्होंने बताया कि बड़े पैमाने पर लोग समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे हैं, विशेषकर बिंद समाज के लोग, जो पार्टी की ताकत और आंदोलन को और मजबूत बनाएंगे। अखिलेश यादव के मुताबिक, नए शामिल होने वाले नेताओं से पार्टी की पीडीए की लड़ाई और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि स्टार प्रचारक नहीं, स्टार विभाजक बनकर बिहार गए हैं। बिहार की जनता इन्हें कभी स्वीकार नहीं करेगी। दरअसल, सीएम योगी को बिहार चुनाव के लिए भाजपा ने स्टार प्रचारक बनाया है। अखिलेश ने बिजली संकट से जुड़े एक सवाल को लेकर भाजपा सरकार पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा फुस्स फुलझड़ी से क्या उम्मीद करोगे। त्योहारों पर बिजली नहीं दे पा रहे हैं। अब बिजली बनाई ही नहीं तो देंगे कहां से। बिजली तो समाजवादियों की बनाई हुई है। इन्होंने तो बनाई ही नहीं। अखिलेश दुबे वाले मामले पर कहा कानपुर वाले अखिलेश दुबे की संपत्ति पर बुल्डोजर चलेगा तो पूरी सरकार गिर जाएगी। सच्चाई ये है कि कानपुर में कोई कार्रवाई नहीं होगी। मुझे जानकारी मिली है कि नए अधिकारी इसलिए ही भेजे गए हैं। एक भी नई तहरीर नहीं ली जाएगी, एफआईआर दर्ज नहीं होगी। ये लोग अखिलेश दुबे की जान भी ले सकते हैं। डिजिटल अरेस्ट पर अखिलेश ने कहा- कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट के बारे में कुछ कहा था। सतर्कता जरूरी है। सुनने में आ रहा है कि गरीबों ने जो अकाउंट खुलवाए थे, वे सारे अकाउंट बंद हो गए हैं। सरकार ने पैसे अपने पास रख लिए। खाते खोले गए हैं तो आधार होगा ही। आधार से सारी जानकारी मिल जाएगी। अगर आधार नहीं होगा, तो सरकार पैसा रख लेगी। इसके लिए कोई न कोई व्यवस्था होगी। विद्यापीठ में यादव छात्र के बजाय किसी अन्य को अवॉर्ड दिए जाने पर अखिलेश ने कहा भेदभाव का इतिहास 5000 साल पुराना है। हमारी सरकार बनेगी तभी पीडीए के दुख दर्द दूर होंगे। इसलिए समाजवादी सरकार बनाकर सामजिक न्याय की स्थापना करें। हम बुल और बुलडोजर के खिलाफ हैं। सफाई की रैंकिंग पर कहा लखनऊ सफाई में तीसरे नंबर पर है। मैं तो कहता हूं कि रैंकिंग जारी करने वाली संस्थानों पर मामला दर्ज कराना चाहिए। उस पर मामला दर्ज कराओ। लखनऊ रैंकिंग में तीसरे नंबर पर है और कचरा हर तरफ दिखाई दे रहा है। स्मार्ट सिटी पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए और ट्रैफिक नहीं संभाल पा रहे हैं। स्मार्ट सिटी के लिए जो फंड आ रहा हैं, वो जा कहां जा रहा है।अखिलेश ने कहा कुंभ में बहुत जानें गईं। सरकार सही आंकड़े नहीं देना चाहते। सरकार सच बोलने वाली नहीं है। लोगों को सच पता है कि सरकार सच बोलने वाली नहीं है। कानून संविधान मानने वाली नहीं है। अगर डेथ सर्टिफिकेट जारी कर देंगे तो मुआवजा देना पड़ेगा। जो लोग काला धन और भ्रष्टाचार पर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं वो मुआवजा नहीं देना चाहते। कुंभ में जिनकी जान गई, उनके घर पांच-पांच लाख रुपये लेकर वर्दी पहने हुए लोग, पुलिस के लोग गए। परिवार के पास सीसीटीवी हैं, फोटोज हैं। सरकार हटेगी तभी जनता को न्याय मिलेगा। विद्यापीठ में यादव छात्र के बजाय किसी अन्य को अवॉर्ड दिए जाने से जड़े सवाल पर अखिलेश ने कहा- भेदभाव का इतिहास 5000 साल पुराना है। हमारी सरकार बनेगी तो पीडीए के दुख दर्द दूर होंगे। इसलिए समाजवादी सरकार बनाकर सामजिक न्याय की स्थापना करें। हम समाजवादी लोग बुल और बुल्डोजर के खिलाफ हैं।

पड़ोसियों पर मारपीट और धमकी का आरोप,बिना किसी वजह मारने लगे

लखनऊ(संवाददाता)। बंथरा थाना क्षेत्र में एक युवक ने मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। सिकंदरपुर निवासी विमल विश्वकर्मा ने गांव के ही जय धीमान के खिलाफ यह रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। विमल विश्वकर्मा के अनुसार, यह घटना 17 अक्टूबर शुक्रवार को रात करीब 9 बजे हुई। वह मोहल्ले में श्यामू की चक्की के पास खड़े थे, तभी जय धीमान वहां पहुंचे और बिना किसी कारण के गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि जब विमल ने इसका विरोध किया, तो जय धीमान ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने बताया कि इस मारपीट में उन्हें चोटें आई हैं। घटना के बाद, विमल विश्वकर्मा ने बंथरा थाने में तहरीर दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए रिपोर्ट दर्ज कर ली है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

संक्षिप्त खबरें

स्कूटी गिरने से एक लड़के की मौत

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह स्कूटी गिरने से एक लड़के की मौत हो गई। मृतक की पहचान कमलापुर निवासी शिवा के रूप में हुई। वह अपनी स्कूटी से लौट रहा था तभी सामने से कार आती दिखी। शिवा ने कार से बचने के चक्कर में कंट्रोल खो दिया। सड़क पर बैरिकेडिंग भी रखी थी। वह उससे भी बच गया लेकिन कुछ दूर जाकर गिर गया जिससे बेहोश हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने शिवा को मृत घोषित कर दिया। शिवा एक वेयरहाउस में काम करता था। सुबह अपनी बहन को उसकी कंपनी में छोड़कर स्कूटी से घर लौट रहा था। हादसा सीआरपीएफ गेट नंबर-1 के सामने हुआ। यहां सड़क पर लोहे की बैरिकेडिंग रखी होने के कारण रास्ता संकरा हो जाता है। बताया जा रहा है कि शिवा तेज रफ्तार में था। सामने से कार आने और बैरिकेडिंग से बचने के लिए उसने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे स्कूटी फिसल गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर बिजनौर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल शिवा को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बताया है कि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

समाधान दिवस में मोहनलालगंज तहसील में किसानों का प्रदर्शन

लखनऊ(संवाददाता)। मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान किसानों ने धरना प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के नेतृत्व में किसानों ने भूमि आवंटन और कब्जे से जुड़ी मांगों को लेकर विरोध जताया। तहसील दिवस पर सभागार में किसान धरने पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी की। इसी दौरान दूसरी तरफ तहसीलदार फरियादियों की शिकायतें सुन रहे थे। किसानों का कहना था कि तहसील के गरीब किसानों को न्याय पाना मुश्किल हो गया है। भारतीय किसान यूनियन के लखनऊ जिलाध्यक्ष राजेश रावत ने बताया कि जिन किसानों को भूमि आवंटित की गई है, उन्हें न तो संक्रमणीय भूमि पर कब्जा दिया गया और न ही जमीन पर मालिकाना हक। इसके उलट जिन किसानों ने अपनी जमीन बेच दी है, उन्हें कब्जा दिया जा रहा है। रावत ने आरोप लगाया कि मोहनलालगंज तहसील के गरीब किसानों को न्याय मिल पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि किसान प्रार्थना पत्र देते हैं, लेकिन अधिकारी सिर्फ फर्जी रिपोर्ट बनाकर पल्ला झाड़ने का काम कर रहे हैं। इसी कारण भाकियू तहसील दिवस का विरोध कर रही है।

19 अक्टूबर को मायावती ने बुलाई अहम बैठक

लखनऊ,(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने रविवार को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़कर बाकघी राज्यों की एक अहम बैठक बुलाई है। बसपा की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया है ह्ल बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती यूपी व उत्तराखण्ड की अहम बैठक के बाद अब 19 अक्टूबर को पार्टी की आल-इण्डिया की बैठक (यूपी व उत्तराखण्ड राज्य को छोड़कर) में देश के विभिन्न राज्यों में बसपा संगठन की जमीनी तैयारियों तथा सर्वसमाज में जनाधार को बढ़ाने के कार्यों की राज्यवार समीक्षा करेंगी एवं बदले हालात में आगे के कार्यक्रम हेतु दिशा-निर्देश भी देंगी। गौरतलब है कि गुरुवार को भी मायावती प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों की अहम बैठक बुलाई थी। इसमें मायावती और भतीजे आकाश आनंद के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय होनी थी, लेकिन आकाश आनंद नहीं आ सके।

आत्मनिर्भर भारत एक विचार नहीं...हकीकत है,सुपर सोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों के प्रथम बैच का फ्लैग ऑफ कर बोले योगी

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि साकार होती हकीकत है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस परिसर में पीटीसी इंडस्ट्रीज के एक कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत अब रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ दुनिया के सामने खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने पिछले 11 वर्षों में हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अद्भुत प्रगति की है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर वैश्विक मंच पर ध्यान आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में जो सपना प्रधानमंत्री ने 11 वर्ष पहले देखा था, वह आज रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन में साकार होता दिख रहा है। योगी ने कहा, कभी अपनी रक्षा जरूरतों के लिए अन्य देशों पर निर्भर रहने वाला भारत अब न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है, बल्कि मित्र देशों की रक्षा आपूर्ति में भी सहयोगी बन चुका है। यह आत्मनिर्भरता का प्रतीक ही नहीं, बल्कि रोजगार सृजन का भी एक बड़ा माध्यम है।

दीपावली पर विराज सागर दास ने दी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाये

लखनऊ,(संवाददाता)। बीबीडी ग्रुप के प्रेसीडेन्ट,यूपी बैडमिन्टन एसोसिएशन के चेयरमैन विराज सागर दास ने ज्योति पर्व दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि एवं उन्नति की कामना की है। विराज सागर दास ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वह पूरे हर्ष एवं उल्लास के साथ पर्व मनाएं लेकिन हानिकारक और खतरनाक पटाखों के इस्तेमाल से परहेज करें ताकि हमारा वातावरण शुद्ध बना रहे। अपने बधाई संदेश में कहा है कि दीपावली का यह पावन पर्व प्रदेशवासियों के जीवन में प्रकाश पुन्ज की भांति खुशहाली लाये और उनका जीवन सुख एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो।

पद से हटते ही पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह पर सख्ती

लखनऊ,(संवाददाता)। राज्य सरकार पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से दस करोड़ रुपये की वसूली करेगी। मनोज कुमार सिंह ने कृषि उत्पादन आयुक्त यानि एपीसी रहते खाद्य एवं प्रसंस्करण नीति-2023 के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर चार फर्मों को भुगतान करने का निर्णय किया था।खाद्य प्रसंस्करण विभाग का भी दायित्व संभाल रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गाइड लाइन के विपरीत किए गए भुगतान के मामले को गंभीरता से लेते हुए मनोज कुमार सिंह से दस करोड़ रुपये वसूलने के निर्देश दिए हैं। उद्यान एवं खाद्य संस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने यूपीडास्प के प्रबंध वित्त व तकनीकीसमन्वयक शैलेन्द्र प्रताप सिंह से दस करोड़ रुपये वसूलकर जमा करने के लिए कहा है।इसी पत्र के आधार पर पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को नोटिस भेजा गया है। नोटिस में कहा गया है कि यूपीडास्प उत्तर प्रदेश विविध कृषि सहायता परियोजना को खाद्य प्रसंस्करण नीति के क्रिन्यावयन के लिए 10 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी की गई थी। इस धनराशि को खर्च करने में अनियमितता बरती गई है।

लखनऊ में 1735 किलो मिलावटी खोया और मिठाई पकड़ी, एफएसडीए ने 8 नमूने जांच के लिए भेजे

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एफएसडीए की टीम ने 1735 किलो मिलावटी मिठाई और खोया पकड़ा। पकड़े गए माल की अनुमानित कीमत लगभग 1.93 लाख रुपए है। इसके अलावा टीम ने 450 किलो नकली घी भी नष्ट कराया। दीपावली और भाईदूज त्योहारों के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए लगातार अभियान चला रही है। अभियान के तहत मोहनलालगंज क्षेत्र स्थित पाल दूध डेयरी एवं बेकरी तथा यादव दूध डेयरी से पनीर और घी के नमूने लिए गए। वहीं, आर्याश गृह उद्योग सरोसा भरोसा से सूजी बर्फी और सूजी हलवा श्री नारायण फूड प्रोडक्ट्स वृंदावन कॉलोनी से टोफू पनीर के नमूने लिए। जांच के दौरान पाया गया कि सूजी बर्फी, सूजी हलवा और टोफू पनीर मिलावटी हैं। टीम ने 1600 किलोग्राम सूजी बर्फी, सूजी हलवा, 135 किलोग्राम टोफू पनीर को मौके पर ही नष्ट करा दिया। इस प्रकार कुल 1735 किलोग्राम मिलावटी खाद्य पदार्थ को नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कुल 8 नमूने प्रयोगशाला भेजे हैं। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रभारी मंत्री और मेयर की रेड,गंदगी देख कंपनी पर 10 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ में सफाई व्यवस्था ध्वस्त है। इसकी जिम्मेदार कंपनी एलएसए पर लगातार एक्शन लिए जा रहे हैं। शनिवार सुबह प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना निरीक्षण करने निकले तो उन्हें कई जगह गंदगी दिखी। सड़क पर जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे मिले। मंत्री ने इस पर भड़क उठे। उन्होंने कार्यदायी संस्था लखनऊ स्वच्छता अभियान (एलएसए) पर 10 लाख रुपए का जुमार्ना लगा दिया। साथ ही नगर आयुक्त से कहा कि कार्रवाई के बाद इसकी एक कॉपी मुझे भी भेज दी जाए। मौके पर मौजूद मेयर कहां गए कर्मचारी, एलएसए वाले? अभी यहीं पर तो थे। मंत्री ने सबसे पहले अमीनाबाद पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग और आसपास फैली गंदगी पर दिखी। इसके बाद मंत्री जोन-3 में पहुंचे। यहां नालियों में जमा गंदगी और सड़कों पर पड़े कूड़े के ढेर मिले। इस पर मेयर भड़क उठीं। उन्होंने पूछा ये एलएसए वाले कहां गए? अभी तक तो यहीं पर थे। प्रभारी मंत्री ने कहा कि लखनऊ की सफाई व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में हर क्षेत्र का निरीक्षण होगा और जिम्मेदार पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान लखनऊ स्वच्छता अभियान प्राइवेट लिमिटेड (रामकी) की लापरवाही पर मंत्री ने अफसरों से सवाल किए। इस दौरान कहा कि सफाई शहर की जरूरत है, इसे ठेकेदारी की तरह नहीं, जिम्मेदारी की तरह निभाया जाए। गंदगी दिखने पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ह्लकागजों पर नहीं, सड़कों पर सफाई दिखनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार और मुख्य अभियंता महेश वर्मा, अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह भी मौजूद रहे।

सचिव निदा फात्मा पर हुए हमला की निंदा कर दोषियों पर कार्यवाही की मांग

लखनऊ। ूमन वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष एम० अली मदहोश एडवोकेट की अध्यक्षता में पदाधिकारियों एंव हिन्द सेवकों की तत्काल बैठक संस्था के कार्यालय मोहिनी पुरवा हुसैनाबाद लखनऊ पर सम्पन्न हुई जिस में ूमन वंल्फेयर सोसायटी की सचिव कुमारी निदा फात्मा पर हुए मंदिर भुईयन देवी मोहनी पुरवा लखनऊ के आसपास अतिक्रमण व मंन्दिर में लगी सरकारी पानी की टंकी तोडकर बोरिंग से आने वाले पानी को चुराने का विरोध करने पर हमल कर अपमानित करने वालों पर तत्काल कानूनी कार्यवाही की मांग की गई। विदित हो की प्रचीन भुईययन देवी स्थानध्मन्दिर का पुनः निर्माण सन् 2012 में संस्था द्वारा कराया गया था परन्तु मन्दिर की परिक्रमा अवैध निर्माण व कब्जा कर राजेश्वरी यादव ने रोक दी व राजेश, श्री देवी के संग मिलकर मन्दिर में लगी सरकारी पानी की टंकी को तोड़कर बंच दिया और बोरिंग का कनेक्शन भी अपने घर में राजेश्वरी यादव ने कर लिया। मन्दिर के आस पास लकड़ी की गुमटी रखकर अतिक्रमण किया जा रहा है जिसका विरोध करने पर कल दिनांक 17.18.2025 को निदा फात्मा को घर में अकेली पाकर राजेश्वरी यादव, उसके पुत्र सौरभ, ऋषभ उर्फ राज उसके साथी गौरव पुत्र रामशंकर, शिवम वर्मा पुत्र सत्यनारायण, आकाश लोधी पुत्र रामनाथ, शुभम पुत्र महेश, जज्जू यादव ने अपने दो दर्जन से अधिक साथियों के साथ घेर लिया व अभद्रता धर्मिक टिप्पणियां करते हुए कुमारी निदा फात्मा को धक्का देकर अपमानित किया है। संस्था द्वारा सरकारी पानी की टंकी पुनः मन्दिर में स्थापित करने, मन्दिर की परिक्रमा रोकने वाला निर्माण ध्वस्त करनें। आसपास हुए अतिक्रमण को हटाने का तीन चार सूत्रीय ज्ञापन माननीय योगी आदित्यनाथ को प्रेषित किया गया है। बैठक में, सरोज कुमारी, रमेशचन्द्र, निर्मला, मंजू श्री. कशिश सिंह, राजेश कनौजिया, राजेश सक्सेना, निदा फात्मा, जियाउद्दीन खान, प्रशांत आदि हिन्द सेवकों ने भाग लिया।

राजधानी में 78 लोगों की जांच, डेंगू-मलेरिया के लक्षण नहीं,स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ के बंथरा क्षेत्र स्थित धावापुर गांव में एक सप्ताह से अधिक लोगों को तेज बुखार और कमजोरी की शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है। शनिवार को डिप्टी सीएमओ डॉ. निशांत के नेतृत्व में एक टीम गांव पहुंची और जांच अभियान शुरू किया। इस टीम में मलेरिया अधिकारी डॉ. रितु, मलेरिया इंस्पेक्टर ए.के. सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर के प्रभारी चंदन यादव, डॉ. पीयूष अवस्थी, डॉ. रोहित, लैब टेक्नीशियन गणेश और जिला स्वास्थ्य निरीक्षक अशोक सहित आशा बहुएं शामिल थीं। प्राथमिक विद्यालय धावापुर में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में मरीजों के खून के नमूने लिए गए। टीम ने गांव का दौरा कर मरीजों के घरों में फ्रिज और कूलर की जांच की, साथ ही मच्छरों के पनपने वाले स्थानों को साफ करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग ने मौके पर 78 लोगों के नमूने लेकर मलेरिया और डेंगू की जांच की। जांच में किसी भी मरीज में डेंगू या मलेरिया के लक्षण नहीं पाए गए। इसी बीच, सरोजनी नगर ब्लॉक प्रशासन ने गांव में सफाईकर्मी, मजदूर और जेसीबी लगाकर व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया। इस दौरान नालियों और रास्तों की सफाई की गई और जलभराव वाले स्थानों पर एंटी-लार्वा का छिड़काव भी कराया गया। बुखार से पीड़ित लोगों को आवश्यक दवाएं भी वितरित की गईं। उल्लेखनीय है कि इस बीमारी की चपेट में आकर गांव की 60 वर्षीय महिला रानी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी, जिसके बाद गांव में दहशत का माहौल था।

समाधान दिवस में भूमि घोटाले, अवैध निर्माण की शिकायतें,एडीएम ने जांच के निर्देश दिए

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी में सरोजनीनगर तहसील कार्यालय में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें भूमि घोटाले और अवैध निर्माण से जुड़े कई मामले सामने आए। एडीएम (सिविल सप्लाई) डॉ. ज्योति गौतम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और संबंधित अधिकारियों को जल्द जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। खरिका निवासी पूजा पत्नी मनोज कुमार ने शिकायत की कि इंद्र बहादुर सिंह ने गाटा संख्या 60स की 5000 वर्गफुट भूमि खरीदकर फर्जी तरीके से 7960 वर्गफुट तक बेच दी। आरोप है कि इंद्र बहादुर ने अपनी स्वामित्व से अधिक भूमि के बैनामे कर कई लोगों को प्लॉट हस्तांतरित किए, जिनमें से कुछ के नाम दाखिल-खारिज भी हो गए हैं। पीड़िता ने क्षेत्रीय लेखपाल पर विपक्षी के प्रभाव में गलत आख्या देने का आरोप लगाया, जिससे मामला बिना जांच के समाप्त कर दिया गया। उन्होंने तहसीलदार स्तर से जांच और फर्जी बैनामों के निरस्तीकरण की मांग की है। वहीं, फतेहगंज निवासी महेश कुमार ने राम उजागर लाल नवराती देवी स्कूल के बिना मानकों के संचालित होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि बीएसए और बीईओ काकोरी की जांच में विद्यालय में खामियां पाई गई थीं और मान्यता रद्द करने की संस्तुति भी की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसके अतिरिक्त, सरैया गाँव के ग्रामीणों ने खसरा संख्या 236, 237 और अन्य ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे तथा निर्माण कार्य की शिकायत की। ग्रामीणों ने प्रशासन से इन भूमियों को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। तहसील प्रशासन ने सभी प्राप्त शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

राजधानी में 54 जगहों पर 1018 पटाखा दुकानें,एक-दूसरे से सटकर लगीं

लखनऊ(संवाददाता)। प्रशासन ने पटाखों की बिक्री के लिए 54 जगहों पर 1018 लाइसेंसधारी दुकानों को पटाखे बेचने की अनुमति दी है। इन दुकानदारों के लिए मानक भी तय किए गए थे। लेकिन पॉलिटेक्निक में लगी दुकानों में कोई भी दुकानदार नियम पालन करते दिखाई नहीं दे रहा है। इस बार दुकानें आमने सामने नहीं लगनी थीं। अगर लगे भी तो 50 मीटर दूरी होनी चाहिए, लेकिन ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला। इसके चलते अगर कोई अनहोनी हुई थी तो संभाल पाना मुश्किल होगा। कोई भी दुकान आपस में सटकर नहीं लगाई जाएगी। दूसरी दुकान लगाने के लिए 3 मीटर दूरी अनिवार्य होगी तथा दुकान आमने सामने नहीं होगी। कन्दीन की खरीद एवं विक्री नहीं की जाएगी। विदेशी पटाखों को नहीं बेचा जाएगा। दुकान पेट्रोलियम प्रतिष्ठान एलपीजी गोदाम से 500 मीटर के दायरे से बाहर लगाई जाएगी। दुकान पर 200 लीटर पानी का ड्रम और बाल्टी रहेगी। फायर उपलब्ध रखा जाएगा। बाल्टियां लाल रंग होंगी। जिस पर आग लिखा होगा। दुकान पर धूम्रपान निषेध व आतिशबाजी का प्रयोग 100 मीटर में वर्जित है। इसका साइनबोर्ड लगाना होगा। दुकान तेज आवाज वाले पटाखे नहीं बेटे जाएंगे। दुकान टीनशेड के अन्दर लगाई जाएगी, शामियाना या कपड़े का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। कोई भी दुकानदार बचा हुआ सामान भंडारण नहीं करेगा। जबकि वहीं वापस करेगा जहां से खरीदा है। बिजली कटने पर कोई भी मोमबत्ती, पेट्रोलियम या लैंप नहीं जलाएगा। दुकानें बिजली की तार के नीचे नहीं लगाई जाएंगी। दुकान लगाने से पहले अस्थाई कनेक्शन लेना होगा। दुकान ऐसी जगह लगाई जायेगी जिससे मुख्य मार्ग अवरुद्ध न होने पाए यातायात बाधित न हो। आतिशबाजी विक्रय स्थल पर आतिशबाजी को जलाकर उसका प्रयोग न दिखाया जाए। उन पटाखों का विक्रय नहीं किया जाएगा, जिसमें एण्टीमनी, तिथियम, नरकरी, आर्सेनिक लेण्ड, स्ट्रॉन्सियन और कोबैंड का प्रयोग किया गया होगा। एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह ने बताया कि चौकी प्रभारी को भेजकर जांच कराई जा रही है। वहीं सीएफओ अंशु मित्तल का कहना है खामियों की जांच होगी।

शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक में सच्चर कमेटी के तर्ज पर सर्वे कराने की मांग

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यकारिणी की अहम बैठक आयोजित हुई। जिसमें देशभर से आए बोर्ड के पदाधिकारियों और धर्मगुरुओं ने हिस्सा लिया। बैठक में वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा, वक्फ संशोधन बिल और शिया समुदाय से जुड़े तमाम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि वक्फ संपत्तियों की देखरेख और उनके दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। कई स्थानों पर वक्फ संपत्तियों पर कब्जे और भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं, जिन्हें रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जरूरत है। बैठक में ये मांग हुई कि सच्चर कमेटी की तरह शिया मुसलमानों की स्तिथि जानने के लिए कमेटी गठित हो। इस कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर समुदाय के विशेष मुद्दों को प्राथमिकता के साथ सुलझाया जाए। इसके अलावा हुसैनाबाद ट्रस्ट की इमारतों की बदहाली और रखरखाव की स्थिति पर भी चिंता जताई गई और संबंधित विभागों से तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की अपील की गई।

राजनाथ सिंह करेंगे 200 बेड के नेत्र चिकित्सालय का शिलान्यास

लखनऊ(संवाददाता)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ के सुल्तानपुर रोड स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बनने वाले 200 बेड वाले नेत्र चिकित्सालय का शिलान्यास करेंगे। यह अस्पताल कल्याण करोति और गजेंद्र दत्त नीठणी दीनबंधु नेत्रालय ट्रस्ट की ओर से स्थापित किया जा रहा है। दीनबंधु नेत्रालय का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के जरूरतमंद मरीजों को नेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अस्पताल में आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा नेत्र रोगों का इलाज किया जाएगा। यह चिकित्सालय पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे स्थापित किया जा रहा है, जिससे लखनऊ और आसपास के जिलों के मरीजों को आसानी से यहां तक पहुंचने की सुविधा मिलेगी। इससे न सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में चिकित्सा पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। कल्याण करोति संस्था लंबे समय से आंखों के इलाज और अंगदान के क्षेत्र में सक्रिय रही है। इस अस्पताल की स्थापना से संस्था की सामाजिक सेवाओं को एक नई दिशा मिलेगी और जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क या सस्ती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

सम्पादकीय

प्रदूषण की जवाबदेही

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं। वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है, ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो, समृद्धि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर श्वास रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें, तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते। मौसम की प्रतिकूलता तथा जनसंख्या के बढ़ते घनत्व के कारण महानगरों में बहुमंजिला इमारतों के विस्तार से भी हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है, जिसके चलते प्रदूषण की परत दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी और निकटवर्ती शहरों के ऊपर छाई रहती है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पटाखों के सीमित व संयमित उपयोग के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली व एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने के फैसले के आलोक में कहा जा सकता है कि शेष देश में भी प्रदूषण रोकने के लिए गंभीर पहल की जानी चाहिए। देश के कई अन्य बड़े शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दर्ज हैं। वहीं दूसरी ओर केवल सर्दियों में ही प्रदूषण नियंत्रण की पहल नहीं की जानी चाहिए। यह साल भर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बननी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि प्रदूषण फैलाने वाले अन्य कारकों पर नियंत्रण किया जाए। हम अक्सर पटाखे व पराली जलाने पर जिम्मेदारी डालकर अन्य प्रदूषण के कारकों को नजरअंदाज कर देते हैं।

फिल्मी दिवाली में प्रतीकों के जरिये बहुत कुछ कहने की परंपरा

0000000

फिल्मों में हर त्योहार का अपना अलग प्रसंग और संदर्भ है। होली जहां मस्ती के मूड, विलेन की साजिश के असफल होने और नायक-नायिका के मिलन का प्रतीक बनता है। जबकि, दिवाली का फिल्मी कथानकों में अलग ही महत्व देखा गया। जब फिल्में रंगीन नहीं थी, तब भी दिवाली के दृश्य फिल्माए गये। पर, वास्तव में दिवाली को प्रतीकात्मक रूप ज्यादा दिया गया। अधिकांश पारिवारिक फिल्मों में दिवाली मनाई गई, पर सिर्फ लक्ष्मी पूजन, रोशनी और पटाखों तक सीमित नहीं रही। दिवाली की रात फिल्मों के कथानक में कई ऐसे मोड़ आए जिनका अपना अलग भावनात्मक महत्व रहा है। आज भी यही परंपरा जारी है। यशराज, राजश्री जैसे बैनर्स की ज्यादातर फिल्मों में दिवाली जरूर मनाई जाती रही है। फिल्मी कथानकों में दिवाली का त्योहार कुछ अलग है। होली या जन्माष्टमी के प्रसंग फिल्मों में धूम, मस्ती और कहानी में मोड़ का कारण बनते हैं, पर दिवाली कहानी का हिस्सा होते हुए, कई फिल्मों में प्रतीकात्मक और भावनात्मक अर्थ रखता है। रोमांटिक व पारिवारिक फिल्मों में त्योहार के दृश्य परिवार, भारतीय परंपरा और भावनात्मक पुनर्मिलन के प्रतीक रहे हैं। दिवाली के दृश्यों वाली और उस थीम को दर्शाने वाली कई यादगार फिल्में हिंदी सिनेमा के उस इतिहास में दर्ज हैं, जो ब्लैक एंड व्हाइट से आजतक फैला हुआ है। इस त्योहार को प्रतीकात्मकता और बदलते दृष्टिकोण के रूप में भी देखा गया। यही वजह है कि दिवाली के दृश्य कई बार घर वापसी, एकजुटता, नई शुरूआत और पारिवारिक मूल्यों के प्रतीक बने। नई फिल्मों में जहां भव्यता, पटाखों और भव्य सेट्स की भरमार दिखती है, वहीं तारे जमीं पर जैसी कुछ फिल्में दिवाली के इमोशनल या सामाजिक पहलुओं को भी उजागर करती हैं। ऐसे में जंजीर का प्रसंग अलग ही है, जिसमें नायक अमिताभ बच्चन बचपन में दिवाली के धमाकों के बीच अपने माता-पिता की हत्या होते देख लेता है और पूरी फिल्म में खलनायक को खोजता है। दरअसल, फिल्मी कथानकों में दिवाली को न केवल जश्न, बल्कि भावनाओं, मेल-मिलाप और पारिवारिक रिश्तों के गहरे प्रतीकों के साथ चित्रित किया गया। इस कारण यह त्योहार फिल्मों में भारतीय जीवनशैली और संवेदनाओं का अभिन्न हिस्सा बना। 2001 की फिल्म कभी खुशी कभी गम में दिवाली पूजन, घर की सजावट, पारिवारिक पुनर्मिलन दशार्या गया जिसमें जया बच्चन अपने बेटे शाहरुख के लौटने का इंतजार बेहद भावुक तरीके से करती दिखाई देती हैं। यह दृश्य परिवार के पुनर्मिलन एवं भारतीय भावनाओं को दशार्ने वाली दिवाली के प्रतीक से जोड़ता है। इसी तरह यश चोपड़ा की फिल्म मोहब्बतें में दिवाली के मौके पर जोड़ों में बंधन है गीत सुनाई देता है, जो पारिवारिक रिश्तों, रोशनी और उल्लास के उत्सव का अहसास कराता है। जबकि, वास्तव में संजय दत्त दिवाली पर परिवार से जिस तरह मिलते हैं, वह सामाजिक-आर्थिक संघर्ष के बीच उत्सव की गर्माहट का प्रतीक हैं। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (1995) ऐसी फिल्म रही, जो दिवाली पर रिलीज होकर सबसे ज्यादा सफल फिल्मों में गिनी जाती है और आज भी दिवाली के अवसर पर बॉक्स ऑफिस की मिसाल मानी जाती है। दिवाली पर फिल्मी

गीत, घर-आंगन की साज-सज्जा, पूजा, पारिवारिक समागम और सामाजिक समरसता फिल्मों में भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। यही वजह है कि फिल्मों में हमेशा से दिवाली को बहुत खास और रंगीन अंदाज में दिखाया गया। क्योंकि, ये ऐसा त्योहार है जो हमेशा ही पारिवारिक मेलजोल, खुशी, भावनात्मक पुनर्मिलन और रोशनी के प्रतीकों के साथ प्रस्तुत किया जाता रहा है। इससे यह त्योहार सिनेमा के रूप में भारतीय संस्कृति की आत्मा दशार्ता है। लेकिन, दिवाली पहली बार परदे पर कब दिखाई गई, यह बताना जरा मुश्किल है। लेकिन, 1960 की फिल्म जुगनू का गाना मेरा तुम्हारा सबका यहां ... एक दिवाली दृश्य के उदाहरणों में गिना जाता है। 90 के दशक और 2000 के बाद दिवाली दृश्य विशेष रूप से पारिवारिक गीतों और इमोशनल दृश्यों के साथ हर दशक की बड़ी फिल्मों में दिखाई देने लगे। हम आपके हैं कौन (1994) में दिवाली पर परिवार के साथ धिक ताना जैसे गाने से उत्सव और सामूहिकता का जश्न दिखाई दिया। जबकि, चाची 420 (1997) में पटाखों से दुर्घटना के सीन और बच्चों की सुरक्षा के जरिए दिवाली की रियलिटी की झलक दिखाई गई। तारे जमीं पर (2007) फिल्म में दिवाली के मौके पर अकेलेपन और घर की याद की भावनाएं बयां की गईं, जिससे त्योहार का संवेदनशील पक्ष उजागर हुआ। वास्तव (1999) में फिल्म का मुख्य किरदार अपने परिवार से दिवाली पर मिलता है और पचास तोला सोना जैसा डायलॉग को त्योहार के अलग ही रंग से जोड़ता है। 2001 की फिल्म आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया का गीत आई है दिवाली सुनो जी घरवाली जैसे मस्तीभरे गाने के साथ आम लोगों की दिवाली भी दिखाई गई। फिल्मों में दिवाली के बदलते सामाजिक अर्थों को समय के साथ बहुत गहराई और विविधता के साथ दिखाने के प्रयोग भी किए गए। पहले, ज्यादातर फिल्मों में दिवाली पारंपरिक, पारिवारिक आयोजन के रूप में मनती थी। लेकिन, हाल के दशकों में यह व्यक्तिगत बदलाव, घर वापसी, सामाजिक बदलाव और आंतरिक संघर्षों का प्रतीक बन गई। पारंपरिक से आधुनिक संदर्भों में सामाजिक विकास से तात्पर्य है, घर वापसी और आपसी मेल-मिलाप। यह भी कहा जा सकता है कि दिवाली का प्रतीक लंबे अरसे बाद घर लौटना, परिवार का मिलना और गिले-शिकवे दूर करने का बहाना भी बन गया। कभी खुशी कभी गम में राहुल (शाहरुख खान) की घर वापसी दिवाली के मौके पर दिखाई जाती है, जिससे त्योहार परिवार और रिश्तों की शक्ति का वाहक बन गया। जबकि, मोहब्बतें में यही भावनात्मक मोड़ लाता है। दिवाली पर पारिवारिक प्रसंग कई फिल्मों में कहानी में मोड़ लाता है जिसमें रिश्ते बदलते हैं, चरित्रों की सोच और भावनाएं नई दिशा की तरफ मुड़ती हैं। याद किया जाए तो राजश्री की फिल्म हम आपके हैं कौन में कुछ ऐसा ही था। आधुनिक फिल्मों में दिवाली केवल त्योहार तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्ममंथन, व्यक्तिगत बदलाव और सामाजिक चेतना का उपाय भी बनती दिखाई दी। स्वदेश में फिल्म के नायक के भीतर यह उत्सव देश से जुड़ाव और बदलाव का प्रतीक बनता है। जबकि तारे जमीं पर में अकेलापन, परिवार की चिंता और अंततरू स्वीकृति की भावना दिखाई दी। सामाजिक संदर्भ में इस फिल्म को देखा जाए, तो वास्तव जैसी फिल्मों में दिवाली अपराध और सामाजिक सच्चाई से जुड़े दृश्यों पर भी केंद्रित है, जिससे यह सिर्फ खुशी नहीं, सामाजिक जटिलताओं का प्रतीक भी बनती है। पुराने समय की फिल्मों में साधारण पारिवारिक उत्सव और पूजा के छोटे सीन होते थे। जबकि, अब ये दृश्य भव्य पार्टियों, आधुनिकता और रिश्तों की जटिलताएं प्रस्तुत करते हैं। विशेष परिस्थितियों में दिवाली के प्रसंग ने अनुराग या वक्त जैसी फिल्मों में सामाजिक टूटन या त्रासदी की भूमिका भी निभाई, जिससे त्योहार में संवेदना और जीवन की सच्चाइयां दिखती हैं। दरअसल, फिल्मों में दिवाली केवल रोशनी और उल्लास का ही उत्सव नहीं, बल्कि पुनर्मिलन, व्यक्तिगत विकास, सामाजिक विचार और संबंधों की विविधता का रूपक बनी है। समय के साथ दिवाली में सामाजिक बदलाव, भावनात्मक गहराई और समकालीन समाज के सवालों को भी फिल्मों में बखूबी से पिरोया गया। 90 के दशक और 2000 के बाद दिवाली दृश्य विशेष रूप से पारिवारिक गानों और इमोशनल दृश्यों के साथ हर दशक की बड़ी फिल्मों में दिखाई देने लगे। यह भी गौर करने वाली बात है कि नई फिल्मों में जहां भव्यता, पटाखों और भव्य सेट्स की भरमार दिखती है, वहीं कुछ फिल्में दिवाली के इमोशनल या सामाजिक पहलुओं को भी उजागर करती हैं। जहां तक दिवाली के प्रतीक और रीति-रिवाजों का सवाल है, तो फिल्मों में प्रतीकों और रीति-रिवाजों को अक्सर रंगीन, भावनात्मक और पारिवारिक भावनाओं के साथ प्रस्तुत किया गया। इन दृश्यों में परंपरागत पूजा, दीपक-दीये, पटाखे, मिठाइयां, रंगोली और पारिवारिक मिलन जैसे त्योहार के मूल तत्व प्रमुखता से दिखाए जाते रहे हैं। दिवाली के प्रमुख प्रतीक के रूप में घर की सजावट में दीपक कभी खुशी कभी गम में भव्य सजावट और दीयों की कतारें दिखाई दी। कई फिल्मों में महिलाएं और बच्चे मिलकर रंगोली बनाते दिखाई देते रहे। रंगीन और कलात्मक रंगोली घर के आंगन, प्रवेश द्वार और पूजा स्थल के पास बनाई जाती है। इसी तरह परिवार के सदस्यों के साथ लक्ष्मी-गणेश पूजन और आरती हम आपके हैं कौन और कभी खुशी कभी गम में दिखाई दी। चाची 420 और गोलमाल 3 में फुलझड़ी और पटाखों से हल्के-फुल्के हादसे फिल्माए गए। ऐसे उत्सव पर परिवार के सामूहिक भोज का भी अपना अलग महत्व है। ऐसे दृश्य हम आपके हैं कौन और मोहब्बतें के गानों में दिखाई दिए। दिवाली के मौके पर बिछुड़े परिवारों का मिलन, पुराने गिले-शिकवे दूर होना कभी खुशी कभी गम और वास्तव में दिखाया गया है। इस नजरिए से कहा जा सकता है कि फिल्मों में दिवाली सिर्फ रोशनी, दीपक, सजावट और पटाखों तक सीमित नहीं है। बल्कि, प्रतीकात्मक रूप से इन सभी प्रसंगों का अपना अलग ही महत्व है।

दीपावली पवित्र उजाले का महोत्सव,धनतेरस उसका प्रथम द्वार

संजीव ठाकुर

धनं धर्मेण गम्यते धन धर्म से प्राप्त हो और धर्म के लिए ही प्रयुक्त हो। यही सनातन सूत्र दीपावली और धनतेरस के मूल में विद्यमान है।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में प्रत्येक पर्व केवल उत्सव नहीं होता, वह मनुष्य, ईश्वर, समाज और आत्मा के बीच एक पवित्र संवाद होता है। दीपावली और धनतेरस भी ऐसे ही दिव्य संवाद की प्रेरणा हैं, जो हमें स्मरण कराते हैं कि प्रकाश केवल बाहर नहीं, भीतर भी जलना चाहिए। यह पर्व मानव-चेतना, श्रम, विश्वास और अध्यात्म का अद्भुत संगम है।धनतेरस दीपावली का प्रथम द्वार है। यह कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी की संध्या को आता है जब आकाश में चाँद छोटा होता है, पर धरती पर दीपक बड़ी आशा से जलते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, इसी दिन समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि अमृतकलश सहित प्रकट हुए थे कृ जिन्होंने मानवता को स्वास्थ्य और आरोग्य का अमूल्य वरदान दिया।

अतः यह दिन केवल ह्लधनह्व का नहीं, बल्कि ह्लधन्यह्व होने का प्रतीक है। सच्चा धन वही है जो शरीर और समाज दोनों को स्वस्थ रखे।

इसी दिन से माँ लक्ष्मी के आवाहन का आरंभ होता है। लोग सोना, चाँदी, बर्तन या नए साधन खरीदते हैं कृ यह केवल भौतिक लेन-देन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संकल्प होता है कि समृद्धि सदाचार और श्रम के मार्ग से अर्जित हो। धनतेरस का संदेश स्पष्ट है, धन का उपयोग धर्म के लिए हो, धर्म का उपयोग धन के लिए नहीं।ह्व यही सनातन संतुलन जीवन का आधार है।फिर आता है दीपों का पर्व कृ दीपावली, जब अमावस्या की रात पूर्ण अंधकार में लिपटी होती है और एक छोटा-सा दीप मिट्टी की लौ में ब्रह्म का प्रतीक बन जाता है। ह्लअंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, एक लौ पर्याप्त है उसे मिटाने के लिए।ह्व पौराणिक दृष्टि से यह दिन भगवान श्रीराम की अयोध्या-वापसी का स्मरण है चौदह वर्ष के वनवास और रावण-वध के पश्चात जब श्रीराम अयोध्या लौटे, तो नगर लाखों दीपों से आलोकित हो उठा।यह केवल श्रीराम के आगमन का नहीं, बल्कि धर्म, मयार्दा और न्याय की विजय का उत्सव था। इस दिन समुद्र मंथन से प्रकट माँ लक्ष्मी का पूजन भी होता है। वे बताती हैं कि जहाँ श्रम, सत्य और पवित्रता है वहीं स्थायी समृद्धि का वास होता है। धार्मिक दृष्टि से दीपावली अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की यात्रा है। उपनिषदों का यह सूत्र ह्लतमसो मा ज्योतिर्गमयह्व इस पर्व की आत्मा है। पर यह केवल वैदिक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मार्गदर्शन है। जब मनुष्य अपने भीतर के तमस लोभ, क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या को दूर करता है, तब उसका जीवन वास्तव में प्रकाशित होता है। सामाजिक दृष्टि से दीपावली सह-अस्तित्व और साझी प्रसन्नता का प्रतीक है। प्रकाश तभी फैलता है जब प्रत्येक घर का दीप समान रूप से जले। दीपावली का दीप सामूहिकता और समता का प्रतीक है, छोटे घर का दीप भी उसी आकाश में चमकता है, जिसमें महलों का दीप।

यह पर्व सिखाता है कि समाज का उजाला किसी एक दीप से नहीं, सभी दीपों के मिलन से बनता है। धनतेरस और दीपावली दोनों ही स्वच्छता और संयम के पर्व हैं। घर की सफाई केवल धूल हटाने की क्रिया नहीं, बल्कि मन के कलुष को दूर करने का प्रतीक है। इस काल में लोग घर, वस्त्र और मन कृ तीनों को पवित्र करते हैं, क्योंकि माना गया है कि लक्ष्मी वहीं आती हैं जहाँ शुद्धता, श्रम और प्रसन्नता हो। व्यापारी वर्ग इस दिन बहीखातों की पूजा करता है। यह भावना प्रकट करती है कि धन-लाभ केवल व्यापार का उद्देश्य नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का साधन भी होना चाहिए।समाज का संतुलन तभी संभव है जब धन का प्रवाह धर्म से नियंत्रित हो और धर्म विवेक से प्रेरित। दीपावली का प्रकाश केवल लौ नहीं, एक संदेश है। आत्मा के जागरण का, मनुष्य की श्रेष्ठता का, और अंधकार पर उसकी विजय का। धनतेरस हमें आरोग्य देता है, दीपावली हमें आलोक देती है, और दोनों मिलकर सिखाते हैं कि समृद्धि तभी पूर्ण है जब वह शांति, स्वास्थ्य और संतुलन से जुड़ी सनातन धर्म की विशेषता यही है कि वह जीवन के प्रत्येक पक्ष को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की चारधारा से जोड़ता है। धनतेरस ह्लअर्थह्व का सत्व है, दीपावली ह्लमोक्षह्व की दिशा।दोनों मिलकर हमें बताते हैं कि जीवन की पूर्णता बाहरी संपन्नता से नहीं, आंतरिक पवित्रता से आती है।

दीपावली का अर्थ केवल घर में दीप जलाना नहीं बल्कि मन में विनम्रता, कर्म में सजगता, और व्यवहार में सत्यता का दीप जलाना है।

जब समाज का हर दीप अपने भीतर प्रकाश पाता है, तभी राष्ट्र सच में आलोकित होता है। और यही इस पर्व का सनातन संदेश है

धर्मो रक्षति रक्षितः।जो धर्म की रक्षा करता है, वही सच्चे अर्थों में सुरक्षित रहता है। धनतेरस और दीपावली ये दो पर्व केवल पूजा और उत्सव नहीं, बल्कि जीवन के भौतिक और आध्यात्मिक दोनों पक्षों का संतुलन हैं। एक हमें आरोग्य और समृद्धि की राह दिखाता है, दूसरा हमें सिखाता है कि समृद्धि तभी स्थायी है जब वह धर्म की लौ से प्रज्ज्वलित हो। जब मनुष्य अपने भीतर के दीप को पहचान लेता है,तब संसार का कोई अंधकार उसे छू नहीं सकता।यही सनातन दर्शन का गूढ़ संदेश है। ह्लअंधकार चाहे बाहर हो या भीतर, दीपक का जन्म सदैव उसे मिटाने के लिए ही होता है।

नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी जीत की ओर अग्रसर भारत- लेकिन अब जिम्मेदारी और बढ़ गई है

यह बात सही है कि नक्सली आंदोलन के कारण देश के 100 से ज्यादा जिलों में विकास के कार्य प्रभावित हुए हैं। नक्सलियों के कारण इस देश की बड़ी आबादी खासकर आदिवासियों को पिछले कई दशकों से भयावह पीड़ा का सामना करना पड़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत की जनता से यह वादा किया है कि देश 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह से नक्सलियों से मुक्त हो जाएगा। हमारे सुरक्षा बलों के अथक प्रयासों के बाद भारत तेजी से उस लक्ष्य को हासिल करने की तरफ बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह दावा किया कि सिर्फ 75 घंटे के दौरान 303 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। सरेंडर करने वाले इन नक्सलियों में किसी पर 1 करोड़ का इनाम था,किसी पर 15 लाख का इनाम था तो किसी पर 5 लाख का इनाम था। इन नक्सलियों से बहुत बड़ी मात्रा में हथियार भी पकड़े गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी कार्यक्रम में बोलते हुए आगे यह भी दावा किया कि 11 वर्ष पहले तक देश के 125 से ज्यादा जिले, माओवादी आतंक से प्रभावित थे लेकिन आज देश में ऐसे जिलों की संख्या घटकर सिर्फ 11 रह गई है। यानी मोदी सरकार का यह दावा है कि वर्तमान में देश में सिर्फ 11 जिलों में नक्सलियों का प्रभाव बचा हुआ है और आने वाले कुछ महीनों में (मार्च 2026) तक यह भी पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सरकार को लगातार मिल रही कामयाबी का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह दावा किया कि, छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर, जो कभी आतंकवादियों के गढ़ थे, आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित किए गए हैं। अब दक्षिणी बस्तर में नक्सलवाद का नामोनिशान बचा है, जिसे हमारे सुरक्षा बल जल्द ही मिटा देंगे। शाह ने नक्सलवाद के खिलाफ जारी लड़ाई में मिल रही कामयाबी का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि, जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 1785 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 477 नक्सली मारे गए हैं और ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी आंकड़ों की माने तो, वर्ष 2025 में अभी तक सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 312 नक्सली मारे जा चुके हैं जबकि 836 नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सिर्फ 75 घंटे के दौरान 303 नक्सलियों ने डर कर आत्मसमर्पण कर दिया। इसमें से 258 आत्मसमर्पण तो सिर्फ दो दिनों के दौरान ही हो गया। दरअसल, सुरक्षाबलों द्वारा माओवादी नेता नरसिम्हा उर्फ नम्बाला केशव राव सहित उनके पोलित ब्यूरो में शामिल कई बड़े नेताओं को मौत के घाट उतारने के बाद से ही नक्सल आंदोलन की पूरी कमर ही टूट गई है। एक तरफ जहां नक्सली संगठन नेतृत्वविहीन होते चले गए हैं वहीं दूसरी तरफ सुरक्षाबलों ने लगातार अभियान चला कर उन्हें पूरी तरह से घेर दिया था। सरकार की सख्त नीतियों के कारण भी नक्सलियों पर चौतरफा दबाव बढ़ता ही जा रहा था और यही वजह है कि जान बचाने के लिए नक्सली लगातार हथियार डाल कर सरेंडर कर रहे हैं। यह बात सही है कि नक्सली आंदोलन के कारण देश के 100 से ज्यादा जिलों में विकास के कार्य प्रभावित हुए हैं। नक्सलियों के कारण इस देश की बड़ी आबादी खासकर आदिवासियों को पिछले कई दशकों से भयावह पीड़ा का सामना करना पड़ा है। ऐसे में नक्सलवाद का खात्मा निश्चित तौर पर उनके लिए राहत भरी खबर है। लेकिन सही मायनों में कहा जाए तो नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही इस देश में लोकतंत्र की एक बड़ी लड़ाई की शुरूआत भी हो जाती है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में से कई निश्चित तौर पर आगे जाकर चुनावी राजनीति का हिस्सा बनेंगे। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों को अब इस बात का ध्यान रखना होगा कि , छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और झारखंड सहित उन तमाम राज्यों में जहां-जहां नक्सलियों ने अब तक कहर ढाया है, वहां-वहां सही मायनों में विकास पहुंचे। इन राज्यों में रहने वाले आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन पर उनके बुनियादी हकों से कोई छेड़छाड़ ना की जाए। विकास के किसी भी मॉडल के तहत इनके इलाकों के लिए योजना बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि इनसे कुछ भी जबरदस्ती ना छीना जाए। सरकार और प्रशासन में बैठे हर व्यक्ति को हर कीमत पर यह सुनिश्चित करना होगा कि इनके इलाके में तेजी से विकास के कार्य तो हो लेकिन इसके साथ ही जल-जीवन और जंगल पर इनके बुनियादी अधिकारों की रक्षा को भी सुनिश्चित किया जाए। देश के 100 से ज्यादा जिलों में स्थायी शांति बनाए रखने के लिए यह बहुत ही जरूरी है।

बिहार की नई राजनीतिक करवट से विकास और सुरक्षा की मिलेगी गारंटी

बिहार के लोगों को यह भी पता है कि उनके पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिन अल्पसंख्यकों की राजनीति कर रहे हैं, उससे बंगलादेश का षड्यंत्र सफल हो या न हो, लेकिन पूर्वी भारत निकट भविष्य में रक्तरंजित भी हो सकता है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025, कई मायने में राष्ट्रीय और सूबाई राजनीति को प्रभावित करेगा, क्योंकि 2026 में पश्चिम बंगाल और 2027 में उत्तरप्रदेश में भी विधान सभा चुनाव होने हैं। यही नहीं, पूर्वी भारत की सुरक्षा को भी यह चुनाव सुनिश्चित करेगा। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की रीति-नीति, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन का अंतर्कलह और मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज द्वारा उठाए हुए मुद्दे गहरा असर डालेंगे। वहीं, एआईएमआईएम और अन्य छुटभैये दलों की कोशिशें मतदाताओं के मनोमिजाज पर क्या रंग जमाएंगी और अपने साइलेंट मतदान ट्रेंड से वो क्या गुल खिलाएंगे, इसका पता तो 14 नवंबर को ही पता लग पायेगा, क्योंकि राजनीतिक रूप से यह प्रदेश बहुत ही जागरूक प्रदेश है। महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे आम बिहारियों के दिल मे अब सामाजिक न्याय से भी ज्यादा हिंदुत्व की लहरें उफान मार रही हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि इस्लामिक देशों और चीन-अमेरिका के सहयोग से बनने वाले 'ग्रेटर बंगलादेश' से शांतिप्रिय बिहार भविष्य में गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मूकश्मीर की तरह ही युद्ध भूमि भी बन सकता है। बिहार के लोगों को यह भी पता है कि उनके पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिन अल्पसंख्यकों की राजनीति कर रहे हैं, उससे बंगलादेश का षड्यंत्र सफल हो या न हो, लेकिन पूर्वी भारत निकट भविष्य में रक्तरंजित भी हो सकता है। इसलिए विकसित, समृद्ध और ज्ञान की संस्कृति की रक्षा के लिए बिहार वासी कुछ ठोस व कड़ा निर्णय भी ले सकते हैं। उन्हें पता है कि इंडिया गठबंधन के राजद, कांग्रेस, भाकपा माले, वीआईपी, वामपंथी दलों की विचारधारा भी पाकिस्तान-बंगलादेश की सरकारों से काफी मिलती जुलती है। इसलिए यदि इन्हें नहीं रोका गया तो संभव है कि भविष्य में ये लोग बिहार को भी उसमें शामिल करवा दें। ऐसा इसलिए कि टीवी स्क्रीन और सोशल मीडिया पर इंडिया गठबंधन के नेताओं के जो हिन्दू विरोधी बयान और कार्यप्रणाली सामने आती रहती है, इससे बिहार के मतदाता अपने राज्य के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। बीते वर्षों में उन्होंने महसूस किया है कि राज्य में जंगलराज (2000-2005) का पर्याय बन चुका राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का कुनबा और उनके सरदार तेजस्वी यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री जनता दल यूनाइटेड के नेता व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से ब्रेक के बाद सत्ता में आ जाते हैं, इसलिए इसबार ऐसा रणनीतिक मतदान किया जाए कि ऐसी किसी सियासी बात की संभावना भी नहीं बचे। बिहार से जुड़े सूत्र बताते हैं कि सूबे में भाजपा के अलावा जनसुराज का प्रदर्शन अच्छा हो सकता है, क्योंकि लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की कारगुजारियों से प्रबुद्ध बिहारी बहुत ही नाराज चल रहे हैं और ग्राम स्तर पर वह नए बिहार का निर्माण करने के लिए एक मुहिम चला रहे हैं। यह गैर धार्मिक और गैर जातीय मुहिम है, जिसका मकसद बिहार के विकास और किसी भी अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र से बिहार की सुरक्षा की बात उनके एजेंडे में है। यही वजह है कि राष्ट्रवादी भाजपा और उसके सहयोगियों के अलावा जनसुराज के प्रत्याशियों की ओर वे करवट ले रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि आपसी दांवपेंच से परेशान एनडीए के नेताओं और बिखरे या कई सीटों पर आपस में ही नूराकुश्ती करने वाले इंडिया गठबंधन के नेताओं के अलावा जो नया विकल्प मौजूद है, उसे ही इस बात मजबूत विपक्ष की जिम्मेदारी मिलने लायक जनसमर्थन दे दिया जाए, इससे राष्ट्रवादी सरकार के बनने और जनहित के मुद्दे पर उसे सक्रिय करने की गारंटी मिल जाएगी। इसलिए सच कहूं तो राजनीतिक अहंकार और बुद्धिजीवियों की बिखरी टंकार के बीच बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की चुनावी लड़ाई दिलचस्प होने जा रही है। जैसे-जैसे चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा, बुद्धिजीवियों की निर्दलीय और सर्वदलीय राजनीतिक मुहिम तेज होती जाएगी। सीट बंटवारे में जो कलह दिखाई दी, उसके पीछे भी इन्हीं बुद्धिजीवियों के हाथ की खबरें हैं। खासकर कांग्रेस के लिए नई राजनीतिक जमीन तैयार करने वाले बुद्धिजीवी तो इस बात पर अड़े हुए हैं कि किसी भी कीमत पर अपने दूरगामी राजनीतिक हितों से समझौता नहीं करना है। इससे स्पष्ट है कि यूपी में जो गलती 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव किये थे, 2025 में वही गलती दुहराकर तेजस्वी यादव भी सियासी रूप से अप्रासंगिक हो जाएंगे। स्पष्ट है कि बिहार की नई राजनीतिक करवट से विकास और सुरक्षा दोनों की गारंटी मिलेगी।

पैट कमिंस नहीं खेले तो कौन होगा ऑस्ट्रेलियाई टीम का कप्तान

सिडनी। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, 'हमारे लिए यह फामूर्ला पहले भी काम कर चुका है। चाहे पैट खेल रहे हों या नहीं, वह टीम के आसपास रहना चाहेंगे।' ऑस्ट्रेलिया के नियमित टेस्ट कप्तान पैट कमिंस की पीठ की चोट ने उन्हें भारत के खिलाफ वाइट-बॉल सीरीज से बाहर कर दिया है। उनकी चोट गंभीर है और एशेज में भी उनके खेलने पर खतरा मंडरा रहा है। अब मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली का बड़ा बयान सामने आया है। एशेज की शुरूआत 21 नवंबर से हो रही है और उसमें भी कमिंस के खेलने की संभावना नहीं के बराबर है। ऐसे में पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की टीम की कमान संभालेंगे। जॉर्ज बेली का बयान मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, 'अगर पैट नहीं खेलते, तो स्मज (स्टीव स्मिथ) कप्तानी संभालेंगे। हमारे लिए यह रोजमर्रा का नियम है। यह फामूर्ला पहले भी काम कर चुका है। चाहे पैट खेल रहे हों या नहीं, वह टीम के आसपास रहना चाहेंगे। अगर वह नहीं खेलेंगे, तो वह रिहैब और तैयार होंगे, गेंदबाजी करेंगे।

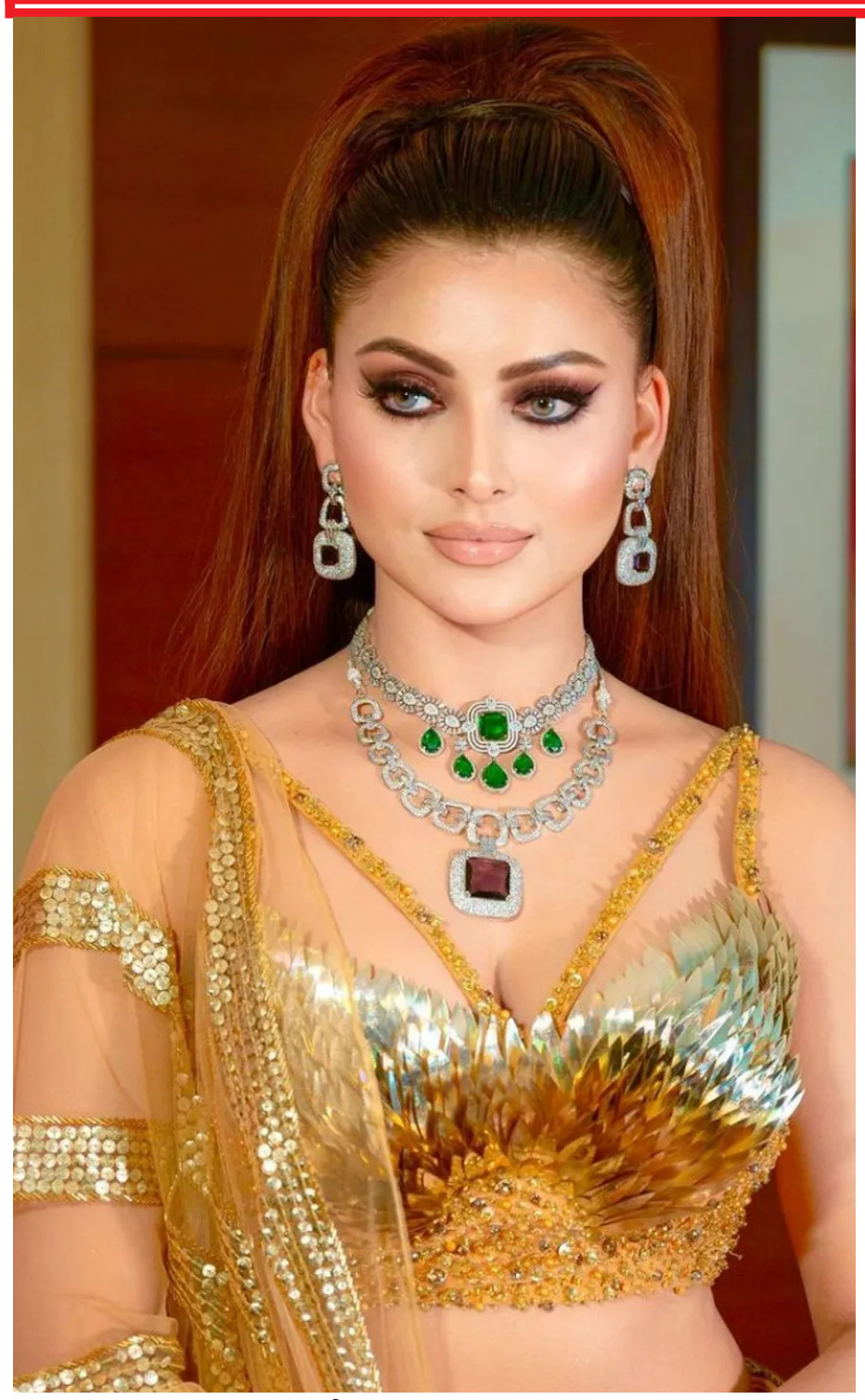

उर्वशी रौतेला ने फिर थपथपाई अपनी पीठ, इस कामयाबी के लिए अदा किया फैंस का शुक्रिया

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला अपनी तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़तीं। कई बार तो वे अपनी तारीफ में ऐसे दावे कर चुकी हैं जिन्हें लेकर ट्रोल हुई हैं। एक बार फिर उन्होंने अपनी एक सफलता फैंस से शेयर की है।

दिवाली का त्योहार है। इंडस्ट्री में पार्टी और सेलिब्रेशन का दौर जारी है। हाल ही में उर्वशी रौतेला भी एक दिवाली पार्टी में शामिल हुईं। उनका दावा है कि इस दौरान उन्हें अपनी एक बड़ी सफलता के बारे में मालूम चला और इसे उन्होंने फैंस के साथ शेयर किया है। उर्वशी का दावा है कि उनके तीन चर्चित गाने एक-एक बिलियन व्यूज के करीब पहुंच गए हैं। दिलचस्प बात है कि यह सफलता हासिल करने वाली वह पहली और सबसे कम उम्र की भारतीय अभिनेत्री हैं। उर्वशी रौतेला ने आज शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने रेड कलर की ड्रेस में अपनी स्टनिंग और स्टाइलिश फोटोज शेयर की है। इसके साथ लिखा लंबा नोट गौर करने लायक है। उर्वशी ने लिखा है, 'पहली और सबसे कम उम्र की भारतीय अभिनेत्री, जिसके तीन गाने अलग-अलग एक अरब व्यूज के करीब पहुचे हैं। यानी पर कुल मिलाकर लगभग तीन अरब व्यूज हासिल हुए हैं। यह गाने हैं, 'सनम रे', 'हुआ है आज' और 'लवडोज'। बोलीं- 'दिवाली पार्टी में मिली खूबसूरत न्यूज' उर्वशी ने आगे लिखा है, 'आप सभी को यह बताते हुए मुझे बेहद खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। मुझे यह खूबसूरत न्यूज एक दिवाली पार्टी में पता चली। सच कहूं तो यह अभी भी काल्पनिक लग रहा है। आप सभी के प्रति मैं शुक्रगुजार हूं। मेरे कमाल के फैंस और शुभचिंतक, उन सभी के लिए जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया और मेरा उत्साह बढ़ाया, सभी का शुक्रिया। आपको अंदाजा भी नहीं है कि मेरे दिल में आप सभी के लिए कितना प्यार है'। फैंस ने दीं बधाई इसी के साथ उर्वशी ने फैंस को धनतेरस और दिवाली की शुभकामनाएं भी दी हैं। मां लक्ष्मी आप और आपके परिवार पर समृद्धि, प्यार और रोशनी की बौछार करे। उर्वशी की इस सफलता पर फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं। बता दें कि उर्वशी के यह तीनों ही गाने काफी चर्चित रहे हैं। हालांकि, तीनों को एक-एक बिलियन व्यूज अब तक तो नहीं मिले हैं, मगर 'सनम रे' गाना इस संख्या के करीब जरूर है। बाकी दोनों गानों को भी यूट्यूब पर अच्छे-खासे व्यूज मिले हैं।

दिवाली शॉपिंग पर निकलीं विद्या बालन, एक्ट्रेस ने किया ऐसा काम यूजर्स ने जमकर सराहा

विद्या बालन अपनी सादगी और सुलझे हुए विचारों के कारण जानी जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस को दिवाली शॉपिंग करते देखा गया। इस शॉपिंग में विद्या बालन ने कुछ ऐसा किया कि वह सोशल मीडिया यूजर्स के बीच चर्चा का विषय बन गईं। विघा बालन का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें वह दिवाली शॉपिंग करती दिखीं। इस वीडियो में उनका लुक बिल्कुल सिंपल है। साथ ही विद्या बालन दिवाली शॉपिंग में बिल्कुल सामान्य चीजें खरीदती दिखीं। साथ ही जहां से विद्या बालन ने शॉपिंग की, उसे लेकर यूजर्स ने उनकी तारीफ की। लोकल फूल मार्केट से की शॉपिंग वायरल वीडियो में विद्या बालन अपनी गाड़ी से उतरीं और एक फूल बेचने वाली के पास पहुंचीं। वहां से विद्या ने कई सारे फूल खरीदे। इस बात को लेकर यूजर्स ने विद्या की तारीफ की। यूजर्स का मानना है कि लोकल प्रोडक्ट को दिवाली पर प्रमोट करके विद्या अच्छा मैसेज दे रही हैं। यूजर्स ने दिए विद्या बालन के एफर्ट पर रिएक्शन यूजर्स ने विद्या बालन की लोकल शॉपिंग को पसंद किया। एक यूजर ने लिखा, कोई तो दिमाग वाला शख्स है। एक अन्य ने लिखा, लोकल जगह से शॉपिंग करके, विद्या ने अच्छा काम किया। लोकल सामान बेचने वालों की अर्निंग जरूरी है।। कई फैंस ने विद्या बालन के लिए हार्ट इमोजी भी कमेंट सेक्शन में शेयर किए हैं।

'पति पत्नी और वो दो' में आयुष्मान खुराना की एंट्री, इन तीन हसीनाओं से लड़ाएंगे इश्क

आज शनिवार को धनतेरस पर अभिनेता आयुष्मान खुराना की नई फिल्म का एलान किया गया है। यह फिल्म अगले साल होली पर रिलीज होगी।

आयुष्मान खुराना इन दिनों फिल्म 'थामा' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म दिवाली के अवसर पर 21 अक्तूबर को रिलीज होने जा रही है। रोशनी के इस त्योहार पर आयुष्मान के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। उनकी अगली फिल्म का एलान हो गया है। नाम है- 'पति पत्नी और वो दो'। यह फिल्म अगले साल होली पर दस्तक देगी। अगले साल होली पर होगी रिलीज ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने आज शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक पोस्टर शेयर किया है, जिस पर फिल्म का नाम लिखा है। साथ ही लिखा है, 'गुलशन कुमार, बी.आर. चोपड़ा की टी-सीरीज और बी.आर. स्टूडियोज ला रहे हैं फिल्म 'पति पत्नी और वो दो'। यह फिल्म 04 मार्च 2026 को होली के अवसर पर रिलीज होगी। ये सितारे हैं फिल्म का हिस्सा पोस्ट में दी गई जानकारी के मुताबिक इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज करेंगे। इस फिल्म को भूषण कुमार, रेणु रवि चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। बता दें कि 'पति पत्नी और वो दो' साल 2019 में आई 'पति पत्नी और वो' का ही अगला भाग बताई जा रही है। नेटिजन्स ने जताया उत्साह आयुष्मान खुराना की नई फिल्म पर नेटिजन्स के रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'स्क्रिप्ट के मामले में आयुष्मान की पसंद सबसे अलग है'। एक यूजर ने लिखा, 'आयुष्मान, सारा, वामिका और रकुल...कॉमेडी की कमी नहीं रहेगी'। आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' मैडॉक फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना भी अहम रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदर ने किया है।

इस जगह पांच मंजिला शानदार घर बनवा रहे राघव जुयाल, फराह खान को दिया न्योता; शेयर किया पहले ऑडिशन का किस्सा

राघव जुयाल चर्चित एक्टर्स में शामिल हो चुके हैं। 'एबीसीडी 2' और 'स्ट्रीट डांसर 3डी' में काम कर चुके राघव ने बीते दिनों रिलीज शो 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में अहम रोल अदा किया। हाल ही में वे फराह खान के घर पहुंचे। एक्टर राघव जुयाल को हाल ही में आर्यन खान की डेब्यू सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में देखा गया। कभी बतौर डांसर इंडस्ट्री में शुरूआत करने वाले राघव अब चर्चित एक्टर बन चुके हैं। राघव हाल ही में फराह खान के घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। एक्टर ने कहा कि वे एक पांच मंजिला घर बनवा रहे हैं। यह घर कहां बन रहा है? जानिए पहाड़ों पर बनवाया है घर राघव जुयाल हाल ही में फराह के घर पहुंचे। इस दौरान फराह और उनके कुक दिलीप ने उनके लिए खाना बनाया। फराह ने अपने कुकिंग व्लॉग चैनल पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें राघव जुयाल कहते दिख रहे हैं कि वे पांच मंजिला घर बनवा रहे हैं। यह घर एक्टर देहरादून में बनवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि घर जब पूरा बन जाएगा तो वे फराह को वहां बुलाएंगे। बता दें कि राघव मूल रूप से देहरादून के ही रहने वाले हैं। मुंबई में भी है अपना आशियाना राघव कहते हैं, 'मैं देहरादून में एक बहुत बड़ा घर बनवा रहा हूं। यह पांच मंजिला इमारत है'। उन्होंने आगे कहा कि जब यह पूरा हो जाएगा तो वह फराह को अपने घर पर एक और वीडियो शूट करने के लिए बुलाएंगे। फराह ने फिर पूछा, 'तो क्या आप बॉम्बे में किराए पर रहते हैं'? इस पर राघव जुयाल ने पूरे कॉन्फिडेंस से जवाब दिया, 'बिल्कुल नहीं! यहां मेरा अपना घर है'। शेयर किया पहले ऑडिशन का किस्सा राघव जुयाल बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम करने की उम्मीद से मुंबई आए थे और जल्द ही वे मशहूर डांसर बन गए। बाद में, उन्होंने टीवी शो होस्ट करना शुरू किया और फिर एक अभिनेता बन गए। इस शो में राघव ने बताया कि उनका पहला ऑडिशन फराह खान की वजह से हुआ। एक्टर ने कहा, 'फराह मैम ही वह थीं, जिन्होंने उन्हें कास्टिंग डायरेक्टर अनमोल आहूजा को सत्ते पे सत्ता के लिए ऑडिशन देने का सुझाव दिया'।

अगली बार कपड़े पहनकर बात करना मुझसे, बिग बॉस 19 में सलमान ने मालती से कही ऐसी बात; आखिर क्यों भड़के भाईजान?

हाल ही में बिग बॉस 19 के वीकएंड वार का एक प्रोमो जारी हुआ है, जिसमें शो के होस्ट सलमान खान प्रतियोगी मालती चाहर पर नाराज होते दिख रहे हैं।

टीवी के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 में आए दिन कुछ ना कुछ बवाल होता रहता है। हर हफ्ते शो में वीकएंड का वार होता है, जिसमें होस्ट-अभिनेता सलमान खान आते हैं और प्रतियोगियों की रिपोर्ट पेश करते हैं। इस बार मालती चाहर की क्लास लगने वाली है, क्योंकी शो के नए प्रोमो में बॉलीवुड के भाईजान, मालती पर भड़क रहे हैं। चलिए देखते हैं प्रोमो। सलमान ने मालती को क्या कहा? हाल ही में जारी हुए प्रोमो में इइ19 के शो होस्ट सलमान खान, मालती चाहर की किसी टिप्पणी पर भड़कते हुए दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता ने कहा- मालती अगली बार कपड़े पहनकर मुझसे बात करना, इसका क्या मतलब था? इसके जवाब में मालती ने कहा कि एयर कंडीशनर बहुत ठंडा था और उनका मतलब बस इतना था कि नेहल को ज्यादा कपड़े पहनने चाहिए। हालांकि, सलमान को उनकी यह बात रास नहीं आई और वे इससे बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हुए। सलमान ने घरवालों से किया सवाल इसके बाद सलमान ने बिग बॉस 19 के घर के सदस्यों से पूछा, ₹कितने लोग को लगता है कि ये एकदम बकवास था? इस बात पर सभी लोग अभिनेती की बात पर सहमत दिखे। आगे सलमान ने कहा, कुछ बोलने के बाद, मैदान छोड़ के भाग जाती हो। डोज दे रही हो तो जो रिटर्न डोज आता है, वो भी लेना सीख जाओ। आखिर किस बात पर मालती ने कहा थी ये बात?

पापा घर आएंगे, वही सबसे बड़ी खुशी होती थी', निमरत कौर ने साझा की दिवाली और धनतेरस से जुड़ी खूबसूरत यादें

शनिवार को धनतेरस के साथ दिवाली के त्योहार की शुरूआत हो गई है। अभिनेत्री निमरत कौर ने इस त्योहार से जुड़े खूबसूरत किस्से साझा किए हैं। इसमें बचपन की यादें भी शामिल हैं। अभिनेत्री ने क्या कहा? धनतेरस और दिवाली का त्योहार घर, परिवार और खुशियों से जुड़ा होता है। इस मौके पर के लिए किरण जैन ने अभिनेत्री निमरत कौर से बात की। निमरत ने अपने बचपन की दिवाली और परिवार के साथ बिताए खास पलों को साझा किया। निमरत कहती हैं, 'बचपन में हमारी दिवाली हमेशा आर्मी कैंट में ही मनती थी। पापा आर्मी में थे, तो दिवाली का मतलब था कि पापा घर आएंगे। बस वही हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी होती थी। हमारे यहां कभी बहुत शोर या पटाखे वाली दिवाली नहीं मनाई जाती थी। हम फुलझड़ियां और चकरी जलाते थे। आज भी जब मैं किसी बच्चे के हाथ में फुलझड़ी देखती हूं, तो पापा की वो मुस्कान याद आ जाती है और वो छोटा सा घर, जो उस वक्त हमारे लिए पूरे ब्रह्मांड जैसा था। घर से बड़ा कोई आश्रय नहीं निमरत बताती हैं कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ी, दिवाली के मायने और गहराई से समझ आने लगे। काम की वजह से आजकल हम सब दुनिया के अलग-अलग कोनों में रहते हैं। लेकिन दिवाली का नाम आते ही दिल सिर्फ एक जगह खिंचता है और वो है - घर। मैं चाहे किसी भी शूट में फंसी रहूं, किसी न किसी तरह दिवाली की रात तक नोएडा पहुंच ही जाती हूं। वहां मां-पापा, नानी और वो जानी-पहचानी खुशबू... बस, सब कुछ पूरा हो जाता है। जिंदगी बहुत अनिश्चित है और यही त्योहार हमें याद दिलाते हैं कि असली पूंजी रिश्ते हैं, न कि कोई और चीज।'

कौन थे अफगानिस्तान के 3 उभरते सितारे

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लिखा, 'हमने तीन युवा खिलाड़ियों को खो दिया है, जो देश के भविष्य थे। पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक ने केवल हमारे क्रिकेट को ही नहीं, बल्कि हमारे सपनों को भी नष्ट किया है।' शनिवार सुबह अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (अउइ) ने एक हृदयविदारक खबर की पुष्टि की, पाकिस्तान की ओर से की गई एयर स्ट्राइक में अफगानिस्तान के तीन उभरते क्रिकेटर कबीर , सिबघतुल्लाह और हारून की मौत हो गई। ये तीनों खिलाड़ी अफगानिस्तान के दक्षिण-पूर्वी प्रांत पक्तिका के रहने वाले थे और घरेलू स्तर पर क्रिकेट खेल रहे थे। एसीबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक बयान जारी कर इस घटना की पुष्टि की। बोर्ड ने साथ ही यह भी घोषणा की कि वह अगले महीने होने वाली त्रिकोणीय सीरीज, जिसमें पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल थे, से वापस हट रहा है। 'हमारे क्रिकेटर ही नहीं, हमारे बेटे थे' अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लिखा, 'हमने तीन युवा खिलाड़ियों को खो दिया है, जो देश के भविष्य थे। पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक ने केवल हमारे क्रिकेट को ही नहीं, बल्कि हमारे सपनों को भी नष्ट किया है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को दी हमले की चेतावनी

इस्लामाबाद/काबुल। पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान को चेतावनी दी है कि वह अपनी धरती से हो रहे आतंकी हमलों पर सख्त कार्रवाई करे, वरना गंभीर परिणाम होंगे। वहीं, तालिबान सरकार ने पाकिस्तानी हवाई हमलों की कड़ी निंदा की और जवाबी कार्रवाई का अधिकार सुरक्षित रखने की बात कही है। हालिया खूनी झड़पों और हमलों के बीच दोनों देशों के प्रतिनिधि आज दोहा में शांति वार्ता के लिए बैठक कर रहे हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अफगानिस्ता को शांति और अशांति के बीच चयन करने की चेतावनी दी। उन्होंने तालिबान शासन से कहा कि वह पाकिस्तान के अंदर हमले करने के लिए अफगानिस्तान की धरती का उपयोग करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ सख्तऔर तत्काल कार्रवाई करे। वहीं, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल में हुई

खूनी झड़प और हवाई हमलों के बाद दोनों देशों के प्रतिनिधि आज दोहा में शांति वार्ता के लिए मुलाकात करने जा रहे हैं। इस बीच, तालिबान सरकार ने स्पष्ट कहा है कि अफगानिस्तान को पाकिस्तान के हवाई हमलों का जवाब देने का पूरा हक है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान शांति और बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन हाल की घटनाएं पाकिस्तान की आक्रामकता की वजह से हुई हैं। मुजाहिद ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार आज पाकिस्तान के साथ बातचीत दोहा में होनी है। इसके लिए अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मौलवी मोहम्मद याकूब मुजाहिद के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल दोहा के लिए रवाना हो चुका है। हालांकि, उन्होंने बताया कि बातचीत से ठीक पहले बीती रात पाकिस्तानी सेना ने पक्तिका प्रांत के आम नागरिक इलाकों में फिर से हवाई हमले किए। जिसमें कई आम नागरिकों की मौत और घायल होने की खबर है। तालिबान ने इन हमलों की कड़ी निंदा की और इसे अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया। मुजाहिद ने कहा, इस्लामी अमीरात इन हमलों का जवाब देने का अधिकार रखता है। लेकिन अपने वातार्कारों की गरिमा और बातचीत की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए फिलहाल नई सैन्य कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया गया है। हम दोहराते हैं कि अफगानिस्तान क्षेत्रीय शांति और समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन हालिया घटनाएं पूरी तरह से पाकिस्तान की ओर से की गई आक्रामकता का नतीजा हैं। टोलो न्यूज के अनुसार, इस बीच पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल भी दोहा पहुंच गया है, जिसमें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और खुफिया प्रमुख असीम मलिक शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कंधार के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि अफगान सीमा बलों और पाकिस्तानी सैनिकों के बीच झड़पों की वजह से स्पिन बोल्दक इलाके से करीब 20,000 परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से की गई अंधाधुंध बमबारी की वजह से ये लोग रेगिस्तानी इलाकों और अन्य असुरक्षित जगहों पर जाकर शरण ले रहे हैं, जहां बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। इन विस्थापित परिवारों की मदद के प्रयास जारी हैं।

तीन सप्ताह बाद भी गतिरोध जारी, ट्रंप की बेरुखी से समाधान अधर में

वॉशिंगटन। अमेरिका में सरकारी शटडाउन को खत्म करने को लेकर गतिरोध बरकरार है। (सरकारी वित्तपोषण रुकने से कामकाज ठप होना) को खत्म करने के लिए समझौते की कोशिशों

में कोई खास तत्परता नहीं दिखा रहे है। उधर डेमोक्रेटिक पार्टी का कहना है कि जब तक वह सीधे दखल नहीं करेंगे तब तक कोई समाधान संभव नहीं है। अमेरिकी संसद में तीन सप्ताह से हालात जस के तस हैं और गतिरोध को दूर करने में कांग्रेस-सीनेट में कोई प्रगति दिखाई नहीं दे रही है। एक माह से सांसद में कोई सत्र नहीं अमेरिकी सदन में एक महीने से कोई सत्र आयोजित नहीं हुआ है और सांसद कोई प्रगति न होने से हताश होकर वाशिंगटन से निकल गए। रिपब्लिकन नेता तब तक बातचीत से इन्कार कर रहे हैं जब तक अल्पकालिक वित्त पोषण विधेयक पारित नहीं होता। उधर, डेमोक्रेट नेता स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी पर आश्वासन पर अड़े हुए हैं। ट्रंप फिलहाल इन सबसे अलग रहते हुए इस्राइल-हमास युद्धविराम और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे मुद्दों पर ध्यान दे रहे हैं। डेमोक्रेटों के भावी रुख से चिंता राष्ट्रपति की पहल पर रिपब्लिकन नेतृत्व नहीं चाहता कि ट्रंप शटडाउन को लेकर कोई भी हस्तक्षेप करें। उन्हें चिंता है कि कहीं डेमोक्रेट नेता भविष्य में इसे उदाहरण न बना लें। ट्रंप ने भी यही रुख अपनाया है और संकेत दिए हैं कि फिलहाल वह निजी रूप से कोई पहल नहीं करेंगे। इस बीच, उनके प्रशासन ने सैनिकों को वेतन देना जारी रखा है।

राष्ट्रपति ट्रंप कोई सक्रिय पहल नहीं कर रहे, जबकि डेमोक्रेट्स का कहना है कि जब तक वह खुद दखल नहीं देंगे, समाधान संभव नहीं। संसद में तीन हफ्तों से कोई प्रगति नहीं हुई है। ट्रंप फिलहाल विदेशी मुद्दों जैसे इस्राइल-हमास और रूस-यूक्रेन युद्ध पर ध्यान दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी सरकार के शटडाउन

जनाक्रोश को दबाने के लिए बलूचिस्तान में कार्रवाई तेज

बलूचिस्तान। पाकिस्तान में बलूचिस्तान के भीतर लोगों का विद्रोह लगातार बढ़ रहा है। बलोच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने पाकिस्तान सरकार पर बलोचों के हिरासत में लिए गए नेताओं के प्रति जनाक्रोश दबाने के लिए कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। बलोच नेता और बीवाईसी के नेता सम्मी दीन बलोच ने कहा, बलूचिस्तान में सरकार का विरोध करने वाले कार्यकर्ता छह माह से भी ज्यादा समय से हिरासत में हैं और उनका अज्ञात जगह उत्पीड़न किया जा रहा है। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इन कार्यकताओं के खिलाफ पाकिस्तान की किसी भी एजेंसी ने कोई औपचारिक आरोप तक दर्ज नहीं किए हैं। हिरासत में लिए गए इन नेताओं के नामों में डॉ. महरंग बलोच, बीबर्ग बलोच, शाह जी बलोच, बीबो बलोच और गुलजादी बलोच जैसी शख्सीयतें शामिल हैं। उन्हें राजनीतिक रूप से प्रेरित एफआईआर के तहत अवैध हिरासत में रखा गया है। सरकार ने शुरूआत में इन कार्यकताओं को निशाना बनाने के लिए कानूनों का दुरुपयोग भी किया। अधिकारियों ने अब सभी आगामी सुनवाई क्वेटा जिला जेल में स्थानांतरित कर दी हैं, जो पारदर्शिता को दबाने और जन आंदोलन के दमन की एक सोची-समझी चाल है। इसे लेकर बलोच उग्रवादी संगठनों ने विद्रोह का रास्ता अपनाया है। संस्थागत दमन के संकेत द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने जानबूझकर अदालती कार्यवाही में देरी की है और सुनवाई तक जनता की पहुंच को भी प्रतिबंधित किया है। बीवाईसी ने कहा, मुकदमों को सलाखों के पीछे ले जाकर, सरकार अपने अन्याय को लोगों से छुपाना चाहती है। अफगान शरणार्थियों के 28 और शिविर बंद कराए गए पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगान शरणार्थियों के 28 और शिविर बंद करा दिए गए हैं। अवैध विदेशी प्रवासियों के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई तेज करते हुए गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी की और पेशावर में आठ, नौशेरा में तीन, हंगू में पांच, कोहाट में चार और मर्दान में दो शिविर बंद कराए। इसी तरह स्वाबी में दो, बुनेर में एक और दीर जिलों में तीन शिविर बंद कराए गए हैं।

सांविधानिक सुधारों से युवा असंतुष्ट, संसद परिसर में किया बवाल

ढाका। यूनुस ने अगला राष्ट्रीय चुनाव फरवरी में कराने का वादा किया है, 17 करोड़ की आबादी

वाले मुस्लिम बहुल देश में इस्लामी पवित्र महीना रमजान शुरू होने से पहले। लेकिन सवाल यह है कि क्या हसीना की पार्टी और उसके सहयोगियों के बिना यह चुनाव समावेशी होगा। राजनीतिक दलों ने शुक्रवार को लोकतांत्रिक सुधार सुनिश्चित करने वाले जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर कर दिए लेकिन युवाओं के भारी विरोध व नवगठित (नेशनल सिटिजन पार्टी-एनसीपी) के विरोध के कारण अंतरिम सरकार का जश्न फीका पड़ गया। हालात यह रहे कि जुलाई चार्टर के सांविधानिक प्रावधानों में अपनी मांगों की अनदेखी से नाराज युवा प्रदर्शनकारी मुख्य दरवाजे को फांदकर संसद भवन परिसर में दाखिल हो गए और जमकर बवाल काटा। इस दौरान सरकार विरोधी नारे भी लगे। खुद को हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले प्रदर्शनकारी बताते हुए युवा शुक्रवार सुबह से ही संसद भवन के पास एकत्र होने लगे थे। वे इस बात पर नाराजगी जता रहे थे कि नए चार्टर में उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया गया है, जबकि हसीना के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विद्रोह के दौरान उनके कई प्रियजनों की मौत हुई है। देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जब पीछे हटने से इन्कार किया तो पुलिस ने उनको तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठीचार्ज किया और तेज आवाज करने वाले ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। इस बीच यूनुस ने संसद भवन के बाहर एकत्रित जनसमूह को बताया कि जुलाई चार्टर में हस्ताक्षरों का अर्थ है कि एक नया बांग्लादेश आकार ले रहा है। उन्होंने कहा, हम बर्बरता से निकलकर एक सभ्य समाज में प्रवेश कर चुके हैं। सांविधानिक व कानूनी बदलावों का नया रोडमैप है जुलाई चार्टर जुलाई 2024 में शुरू हुए राष्ट्रीय विद्रोह के नाम पर रखा गया जुलाई राष्ट्रीय चार्टर सांविधानिक संशोधनों, कानूनी परिवर्तनों और नए कानूनों के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यूनुस सरकार द्वारा गठित एक राष्ट्रीय सहमति आयोग ने हसीना की अवामी लीग पार्टी को छोड़कर, प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ कई दौर की बातचीत के बाद चार्टर तैयार किया। पूर्व पीएम खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और आठ समान विचारधारा वाली पार्टियों ने कहा कि वे चार्टर पर हस्ताक्षर करेंगे जबकि एनसीपी ने इससे इन्कार कर दिया है। फरवरी में चुनावों पर अनिश्चितता यूनुस ने अगला राष्ट्रीय चुनाव फरवरी में कराने का वादा किया है, 17 करोड़ की आबादी वाले मुस्लिम बहुल देश में इस्लामी पवित्र महीना रमजान शुरू होने से पहले। लेकिन सवाल यह है कि क्या हसीना की पार्टी और उसके सहयोगियों के बिना यह चुनाव समावेशी होगा। देश की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी, जमात-ए-इस्लामी ने भी चार्टर पर हस्ताक्षर करने को लेकर अब तक कोई फैसला नहीं लिया है। पिछले अगस्त में भारी विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता से बेदखल हुईं हसीना भारत में निर्वासन में हैं और मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपों में उनकी अनुपस्थिति में उन पर मुकदमा चल रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि हफ्तों तक चले विद्रोह में करीब 1,400 लोग मारे गए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद की सजा माफ की

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन पूर्व सांसद जॉर्ज सेंटोस को सजा माफी दी है। उन्हें धोखाधड़ी के मामले में सात साल की सजा हुई थी। सेंटोस पर दानदाताओं को धोखा देने और 11 लोगों की पहचान चुराने के आरोप थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद जॉर्ज सेंटोस की सजा माफ की। सेंटोस पर धोखाधड़ी और लोगों की पहचान चुराने के आरोप लगे थे, जिसके चलते उन्हें सात साल से अधिक की जेल हुई थी। सेंटोस ने पिछले साल कबूल किया था कि उन्होंने दान देने वालों (डोनर) को धोखा दिया और अपने चुनावी अभियान के लिए 11 लोगों की पहचान चुराई थी, जिसमें उनके परिवार के लोग भी शामिल थे। सेंटोस को जुलाई में न्यू जर्सी की एक कम क्षमता वाली जेल में भेजा गया था, जहां करीब पचास कैदी रहते थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया कि सेंटोस को तत्काल रिहा किया जाएगा। उन्होंने सेंटोस को शुभकामनाएं भी दीं। वहीं, सेंटोस के वकील ने कहा कि पूर्व सांसद का परिवार जेल पहुंच रहा है और उन्होंने उनकी रिहाई के लिए राष्ट्रपति की कार्रवाई की सराहना की है। जेल प्रशासन की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सेंटोस ने जेल में रहते हुए स्थानीय अखबार में जेल की स्थिति पर नियमित रिपोर्ट लिखी। हाल ही में उन्होंने ट्रंप से सीधे अपील की कि उन्हें परिवार और समुदाय के पास लौटने का मौका दिया जाए। ट्रंप की ओर से कई रिपब्लिकन नेताओं की सजा पहले माफ की चुकी है। मई में उन्होंने पूर्व सांसद माइकल ग्रिम को भी माफ किया था, जो अपने रेस्तरां में वेतन और आमदनी के गलत तरीके के लिए दोषी पाए गए थे। लेकिन सेंटोस का मामला अपनी पार्टी के भीतर विवादास्पद रहा है। वह 2022 में सार्वजनिक तौर पर ट्रांसजेंडर रिपब्लिकन सांसद बने। लेकिन जल्द ही उनके जीवन की झूठी कहानी सामने आ गई। उन्होंने दावा किया था कि वह एक सफल व्यवसाय सलाहकार हैं। मगर बाद में पता चला कि उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी नहीं की और न ही उन्होंने कथित प्रतिष्ठित कंपनियों में काम किया था। वह यहूदी भी नहीं थे, जैसा उन्होंने बताया था। वास्तव में सेंटोस आर्थिक रूस से तंगी में थे और उन्हें बेघर होने का खतरा था। 2023 में उन पर दाताओं से चोरी, बेरोजगारों से धोखाधड़ी और कांग्रेस (संसद) में झूठ बोलने के आरोप लगे। कुछ ही महीनों में उन्हें प्रतिनिधि सभा से निकाल दिया गया और वह इतिहास के छठे सांसद बने जिन्हें सदस्यों ने हटाया। सेंटोस ने मुकदमे से पहले ही अपना गुनाह कबूल किया। पूर्व सहयोगी सांसद माजोर्री टेलर ग्रीन ने उनके लिए सजा माफी की अपील की थी, जबकि अन्य आलोचक उनके लिए कठोर दंड चाहते थे।

आपकी लगाई आग, आपका ही घर जलाए तो हैरान मत होइए

काबुल। सोलायमानखिल ने भारत और अफगानिस्तान दोनों से रावलपिंडी में जन्मी चरमपंथी विचारधारा के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया। उन्होंने अफगान लोगों के लिए भारत के निरंतर समर्थन की तारीफ की और इस बात पर जोर दिया कि हमारी साझा संस्कृति और इतिहास को पाकिस्तान से निर्यातित चरमपंथ को हराना होगा। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष विराम चल रहा है, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने चौंकाते हुए डूरंड रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और अफगानिस्तान में हवाई हमला किया। इस हमले में अफगानिस्तान के तीन क्रिकेटर्स समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इसे लेकर अफगानिस्तान समेत पूरी दुनिया में पाकिस्तान की आलोचना हो रही है। अफगानिस्तान की पूर्व सांसद मरियम सोलायमानखिल ने पाकिस्तान के हमले की कड़ी निंदा की और इसे कायरतापूर्ण और बर्बर हमला करार दिया। 'हिंसा, पाकिस्तानी सेना का तरीका' सोलायमानखिल फिलहाल अमेरिका में रह रही हैं और उन्होंने एनडीटीवी के साथ बातचीत में पाकिस्तानी हमले को व्यवस्थागत आतंकवाद बताया और पाकिस्तानी सेना को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने पाकिस्तानी हमले को लेकर कहा, 'हमें हैरानी नहीं है। यह हिंसा का वही तरीका है जो आईएसआई और पाकिस्तानी सेना दशकों से भारत और अफगानिस्तान में फैलाती आ रही हैं, लेकिन युवा क्रिकेटरों, बच्चों और महिलाओं को मारे जाते देखना दिल दहला देने वाला है।' 'भारत-अफगानिस्तान की साझेदारी से पाकिस्तान खतरा महसूस करता है' सोलायमानखिल ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की भारत यात्रा को लेकर कहा, 'जब भी अफगानिस्तान अपने ऐतिहासिक साझेदार भारत के करीब आता है, तो इससे पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान को खतरा महसूस होता है। उनकी पूरी अर्थव्यवस्था ही युद्ध और विनाश पर टिकी है। वे अफगानों और भारतीयों के बीच शांति बर्दाश्त नहीं कर सकते।' सोलायमानखिल ने भारत और अफगानिस्तान दोनों से रावलपिंडी में जन्मी चरमपंथी विचारधारा के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

01	कार्य का नाम	शिफ्टिंग ऑफ एफ.एस.डी.एस. पैनल टू वर्टीकल बॉक्स नियर द कम्पार्टमेंट डोर एन.एन.पी. साइड और सूटेबल प्लेस एन्ड वर्क ऑफ सेग्रीगेशन ऑफ पॉजिटिव एन्ड नेगेटिव वायर इन सेपरेट कन्डिट।
02	कार्य स्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ
03	अनुमानित लागत	रु. 86,65,920/– मात्र।
04	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य
05	बिड सिक्युरिटी	रु. 1,73,300/– मात्र।
06	कार्य पूर्ण करने की अवधि	01 वर्ष।
07	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक– 10.11.2025 समय 15:00 बजे तक
08	प्रमाणपत्र	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/ Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure-A(a) (यदि Partnership/ HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।
09	खुलने का समय	निविदा फॉर्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।
10	कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट– www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
11	वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है	

निविदा सूचना सं.: 2025–ए.एम.वी.–सी एंड डब्लू–ईनिविदा–63 दिनांक: 17.10.2025
3245/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बलूचिस्तान में कमिश्नर का अगवा बेटा दो महीने बाद मिला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में दो महीने पहले अगवा किए गए असिस्टेंट कमिश्नर मुहम्मद अफजल के बेटे मुस्तनसर बिलाल को सुरक्षा एजेंसियों ने बरामद कर लिया है। हालांकि, कमिश्नर अब भी लापता हैं। पुलिस का कहना है कि उनकी खोज जारी है। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में करीब दो महीने पहले जियारत इलाके से अगवा किए गए शीर्ष सरकारी अधिकारी मुहम्मद अफजल बाकी के बेटे को सुरक्षा एजेंसियों ने बरामद कर लिया है। हालांकि, अफसर खुद अब भी लापता हैं, जिससे सरकारी तंत्र और प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा हुआ है। क्वेटा पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जियारत के असिस्टेंट कमिश्नर (एसी) मुहम्मद अफजल बाकी और उनके बेटे मुस्तनसर बिलाल को करीब दो महीने पहले जियारत के पास अगवा कर लिया गया था। शनिवार को सुरक्षा एजेंसियों ने मुस्तनसर बिलाल को हरनाई जिले के जरदालो इलाके से सुरक्षित पाया है। अधिकारी बिलाल शेख ने बताया कि बेटे को सुरक्षात्मक हिरासत में लिया गया है ताकि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अभी तक पिता के बारे में कोई सुराग नहीं बिलाल शेख ने बताया कि अफजल बाकी अभी भी लापता हैं और उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए पूरी कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास कुछ अहम सुराग हैं, लेकिन अभी इस बारे में सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। इस बीच, उनके परिवार में चिंता और प्रशासन में तनाव का माहौल है। वाहन को किया गया था आग के हवाले पुलिस के अनुसार, दो महीने पहले यह घटना तब हुई जब एसी बाकी अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाकर लौट रहे थे। हरनाई के पास सशस्त्र लोगों ने उनके वाहन को रोक लिया और कमिश्नर व उनके बेटे को अगवा कर लिया। हालांकि परिवार के सदस्य, सुरक्षा गार्ड और ड्राइवर को छोड़ दिया गया, लेकिन सरकारी गाड़ी को अपहरणकताओं ने आग के हवाले कर दिया था।

प्रिंस एंड्रयू ने ड्यूक ऑफ यॉर्क टाइटल और शाही सम्मान छोड़ने की घोषणा की

लंदन। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े विवादों के बीच ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू ने 'ड्यूक ऑफ यॉर्क' टाइटल और अन्य शाही सम्मान छोड़ दिए हैं। बकिंघम पैलेस के मुताबिक, एंड्रयू और राजा चार्ल्स ने मिलकर यह फैसला लिया, ताकि शाही परिवार के कामकाज से ध्यान न भटके। एंड्रयू पर वर्जीनिया गिफ्रे ने 17 वर्ष की उम्र में यौन शोषण का आरोप लगाया था। ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू ने शुक्रवार को अपने शाही टाइटल 'ड्यूक ऑफ यॉर्क' और अन्य शाही सम्मान छोड़ने की घोषणा की है। यह फैसला उन्होंने और शाही परिवार ने मिलकर लिया है। इसका कारण यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से उनके पुराने संबंधों का फिर से सुर्खियों में आना बताया जा रहा है। बकिंघम पैलेस से जारी बयान में प्रिंस एंड्रयू ने कहा कि मेरे खिलाफ जारी आरोप, महामहिम राजा और शाही परिवार के कार्यों से ध्यान भटका रहे हैं, इसलिए मैंने और राजा चार्ल्स ने मिलकर तय किया कि मुझे एक कदम और आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि अब मैं अपना टाइटल और दिए गए सम्मान का इस्तेमाल नहीं करूंगा। समझिए क्या है मामला? बता दें कि एंड्रयू पर अमेरिका की वर्जीनिया रॉबट्र्स गिफ्रे ने आरोप लगाया था कि जब वह 17 साल की थीं, तब एंड्रयू ने उनके साथ यौन संबंध बनाए। उन्होंने दावा किया कि उन्हें एपस्टीन द्वारा ट्रैफिकिंग का शिकार बनाया गया था। एंड्रयू ने इन आरोपों से इनकार किया है और कहा कि उन्हें उनसे मिलने की कोई याद नहीं है।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।